मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, बुधवार, 9 जुलाई 2025
संवत 2082, आषाढ़ शुक्ल 14 मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 305 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ यह आधुनिकता मानव को कहां ले जाकर छोड़ेगी?
59 की उम्र में सलमान खान ने शादी के लिए कहा 'हां' ◂◂ 6

महिसागर नदी पर बना पुल ढहा, नौ लोगों की मौत, पीएम ने जताया दुख

मुख्यमंत्री ने दिये जांच के आदेश

वडोदरा : गुजरात के वडोदरा जिले में बुधवार सुबह एक 43 पुराने पुल का हिस्सा ढह जाने से कई वाहन नदी में गिर गए। जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई। बचाव दल ने छह अन्य को बचा लिया गया। बचाव अभियान जारी है। यह पुल बुधवार सुबह करीब 7.30 बजे ढहा। गौरतलब है कि 900 मीटर लंबा यह गंभीरा पुल वडोदरा और आणंद जिलों को जोड़ता है। पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने हादसे के शिकार हुए लोगों के लिए मुआवजे का भी एलान किया है। वडोदरा कलेक्टर अनिल धमेलिया ने कहा, घटना के बाद स्थानीय तैराक, नावें और नगर निगम की टीमें तुरंत मौके पर पहुँच गईं। आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र, एनडीआरएफ की टीमें और अन्य प्रशासनिक व पुलिस टीमें मौके पर मौजूद हैं। बचाव अभियान जारी है। हमने अब तक नौ शव बरामद किए हैं। पांच लोग घायल हैं, एक छठा घायल व्यक्ति अभी-अभी मिला है और उसे चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह पुल वर्ष 1985 में बनाया गया था और समय-समय पर इसकी मरम्मत और रखरखाव का कार्य होता रहा है। इस हादसे के पीछे की असल वजह की जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने तकनीकी विशेषज्ञों की टीम को घटनास्थल पर भेजने और पुल गिरने के कारणों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। शुरूआती जानकारी के अनुसार, दो ट्रक, एक बोलेरो एसयूवी और एक पिकअप वैन सहित चार वाहन पुल पार कर रहे थे, तभी अचानक यह ढह गया और कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए।

पीएम मोदी ने किया मुआवजे का एलानः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, गुजरात के वडोदरा जिले में एक पुल के ढहने से हुई जनहानि बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पुल हादसे पर जताया शोक, तत्काल जांच के दिए आदेशः गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आनंद और वडोदरा को जोड़ने वाले गंभीरा पुल के 23 स्पान में से एक के ढहने से हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। मैंने वडोदरा के कलेक्टर से बात कर घायलों के तत्काल इलाज और प्राथमिकता के आधार पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय नगर पालिका और वडोदरा नगर निगम की फायर ब्रिगेड टीमें नावों और तैराकों की मदद से राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है और बचाव कार्य में सक्रिय रूप से भाग ले रही है। मुख्यमंत्री ने सड़क और भवन निर्माण विभाग को इस हादसे की तत्काल जांच करने के आदेश भी दिए हैं, ताकि पुल ढहने के पीछे की वास्तविक वजह सामने लाई जा सके और आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ है और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वाहनों के नदी में गिरने से पहले तेज आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस और वडोदरा जिला प्रशासन ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी घायलों को मलबे से निकालने में मदद की। अब तक तीन लोगों को बचाया गया और उन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती किया गया है। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि ये पुल न केवल ट्रैफिक दुर्घटनाओं के हिसाब से खतरनाक है, बल्कि यहां आत्महत्या की कई घटनाएं भी हो चुकी हैं। इसकी स्थिति के बारे में बार-बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। वहीं, कांग्रेस नेता अमित चावड़ा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आणंद और वडोदरा जिलों को जोड़ने वाला मुख्य गंभीरा पुल ढह गया है। कई वाहन नदी में गिर गए हैं और बड़ी संख्या में हताहत होने की आशंका है। प्रशासन को तुरंत बचाव कार्य शुरू करना चाहिए और वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था करनी चाहिए।

चूरू में दुर्घटनाग्रस्त हुआ वायु सेना का लड़ाकू विमान, मलबे से एक शव बरामद

चूरू : राजस्थान के जूरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र के भानुदा गाँव के पास मंगलवार को भारतीय वायु सेना का एक जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, दुर्घटनास्थल पर एक शव भी देखा गया। घटना के बाद, राजलदेसर पुलिस स्टेशन की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर भेजी गई। हताहतों या क्षति के बारे में और अधिक जानकारी का इंतजार है क्योंकि अधिकारी अपनी प्रारंभिक जाँच शुरू कर रहे हैं। दुर्घटना स्थल से घना धुआं उठता देखा गया तथा दृश्यों में विमान पूरी तरह जला हुआ दिखाई दे रहा है।

पुलिस और ज़िला प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुँच गई हैं। फि लहाल यह स्पष्ट नहीं है कि विमान में कितने लोग सवार थे, और अभी तक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय सेना और वायुसेना के अधिकारी घटनास्थल पर पहुँच रहे हैं और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी है।

भारत बंद का दिखने लगा असर, बंगाल और बिहार में सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी

नई दिल्लीः देशभर में आज 9 जुलाई को भारत बंद का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। 25 करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारियों द्वारा बुलाए गए इस राष्ट्रव्यापी बंद के कारण सार्वजनिक सेवाएं, परिवहन और बैंकिंग कार्यों में भारी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। बंद का सबसे अधिक असर पश्चिम बंगाल, बिहार, और कुछ अन्य राज्यों में देखा गया है। पश्चिम बंगाल में भारत बंद की सबसे ज्यादा गूंजः कोलकाता और सिलीगुड़ी समेत पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में भारत बंद को लेकर वामपंथी संगठनों और ट्रेड यूनियनों ने जोरदार प्रदर्शन किया. सिलीगुड़ी में सरकारी बसों का संचालन बाधित हुआ. कोलकाता के जाधवपुर में प्रदर्शनकारियों ने पैदल मार्च निकाला और रेलवे स्टेशन के अंदर जाकर ट्रैक जाम कर दिया. बस चालकों ने हेलमेट पहनकर बसें चलाई, ताकि किसी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। एक चालक ने कहा, हम मजदूर हैं, हमें काम भी करना है, लेकिन बंद का समर्थन भी करते है। रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन, बिहार भी प्रभावितः बिहार की राजधानी पटना में भी भारत बंद का असर देखने को मिला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सचिवालय हॉल्ट रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया. यह प्रदर्शन खासकर राज्य विधानसभा चुनाव 2025 से पहले मतदाता सूची पुनरीक्षण के विरोध में किया गया। इससे रेल संचालन पर असर पड़ा और कुछ ट्रेनें प्रभावित रहीं।

बंद का व्यापक असर और पब्लिक सुरक्षाः- भारत बंद के दौरान कई क्षेत्रों में परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं। बैंकिंग कार्य बाधित हुए। कुछ जगहों पर आगजनी और टकराव की खबरें भी सामने आईं।

पक्षी टकराने के बाद पटना में इंडिगो विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, 169 यात्री थे सवार

पटना : बिहार का राजधानी पटना से नई दिल्ली आने वाली इंडिगो की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग की गई है। पक्षी के टकराने की वजह से फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। बता दें इस विमान में 169 यात्री सवार थे। विमान को सुरक्षित पटना एयरपोर्ट पर उतारा गया है। इंडिगो की फ्लाइट संख्या 65009 पटना से दिल्ली आने वाली थी. फिलहाल विमान को दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। पटना एयरपोर्ट के निदेशक का कहना है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं।

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में महागठबंधन का बिहार बंद

7 शहरों में ट्रेनें रोकीं गयी, 12 नेशनल हाईवे जाम

विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए राहुल गांधी

पटनाः बिहार में चल रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण पर रोक लगाने की मांग करते हुए महागठबंधन ने बुधवार को राज्यव्यापी चक्का जाम आंदोलन कर यातयात को बाधित किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव सहित महागठबंधन के घटक दलों के नेता आयकर गोलंबर से मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय तक विरोध मार्च निकालने के लिए पहुंच गए हैं। महागठबंधन के बिहार बंद का असर राजधानी पटना समेत बिहार के अलग-अलग जिलों में दिख रहा है। राज्य मुख्यालय सूत्रों ने बताया कि चक्का जाम को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस अधीक्षकों को उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। बिहार के विभिन्न जिलों में सुबह से ही महागठबंधन के कार्यकर्ता सडकों पर उतर आए और सडक जाम कर रहे थे। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने राजधानी पटना में अपने समर्थकों के साथ सवारी गाड़ी रोककर विरोध प्रदर्शन किया है। श्री यादव ने कहा कि चक्का जाम का फैसला कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में लिया गया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनाव आयोग के मतदाता गहन पुनरीक्षण फैसले के खिलाफ लड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे बिहार में लंबे समय से रह रहे मतदाता वंचित हो जाएँगे और इस प्रककया में मतदाताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, राजापुर इलाके में कुछ प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन के दौरान सडकों पर टायर जलाए। जहानाबाद से मिली एक रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के युवा कार्यकर्ता सुबह-सुबह सडकों पर उतर आए और प्रदर्शन किया। अररिया जिला के फारबिसगंज में सुबह-सुबह बंद का असर साफ दिखाई दिया। प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय यात्री ट्रेनों की आवाजाही बाधित करने की कोशिश की और चुनाव आयोग तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। गठबंधन ने मतदाता गहन पुनरीक्षण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। महागठबंधन ने इसे विधानसभा चुनाव बाद कराने की सलाह दी है। महागठबंधन का कहना है कि जिन 11 दस्तावेजों की मांग की जा रही है, वह गरीबों के पास नहीं है।

रांची से गया जा रही बस से 16 लाख रुपये बरामद

डोभी चेकपोस्ट पर यात्री को हिरासत में लिया गया

रांचीः बिहार-झारखंड के बॉडर पर स्थित गया के डोभी चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान एक यात्री के पास से 16 लाख रुपये कैश बरामद किये है। आगे की कार्रवाई के लिए आयकर विभाग को सूचना दे दी गई है।

16 लाख कैश से साथ पकड़े गए आरोपी बबलू सिंह को हिरासत में लेते हुए उन्हे बाराचट्टी पुलिस को सौंप दिया गया है। उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त प्रिय रंजन ने बताया कि डोभी चेकपोस्ट पर झारखंड से गुजरने वाली हर गाड़ी की नियमित रूप से जांच की जा रही थी। इसी दौरान झारखंड से आ रही महारानी नामक बस को जांच के लिए रोका गया। शराब की जांच के दौरान यात्रियों के बैग, कार्टन और बोरियों की तलाशी ली जा रही थी, तभी एक यात्री के बैग में नोटों के बंडल मिले। पूछताछ में उस व्यक्ति ने अपना नाम बबलू सिंह बताया, जो रांची से गया आ रहे थे।

बरामद नोटों की गिनती में कुल 16 लाख रुपये निकले। जांच दल का नेतृत्व कर रहे उत्पाद विभाग के निरीक्षक रामप्रीति कुमार ने बताया कि बबूल सिंह इस रकम के बारे में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका। घटना की जानकारी बाराचट्टी थाना व सीओ को दी गयी है। आयकर विभाग को भी सूचित कर दिया गया है, जो अब इस मामले की आगे जांच करेगी। फिलहाल हिरासत में लिये गये बबूल सिंह को बाराचट्टी पुलिस को सौंप दिया गया है। ज्ञात हो कि बिहार में शराबबंदी है, चोरी छिपे कुछ लोग शराब बिहार ले जाकर महंगे दाम में बेचते हैं।

अस्पताल में चल रहा था मरीज का ऑरेशन, तभी सीलिंग छत से गिरा कुत्ता, नर्स घायल

ऑपरेशन बीच में छोड़कर नर्स के इलाज के लिए भागे डॉक्टर

संवाददाता

धनबादः एक तरफ झारखंड सरकार स्वास्थ्य सेवाएं के बड़े-बड़े दावे करती हैं, लेकिन दूसरी तरफ जमीनी हकीकत कुछ और ही है। ताजा मामला धनबाद से आया है जहां ऑपरेशन करने के दौरान सीलिंग छत से एक कुत्ता ऑपरेशन टेबल के पास आ गिरा जिसमें ऑपरेशन में सहायता कर रही नर्स गंभीर रूप से घायल हो गईं। मामला जिले के रेलवे अस्पताल का है। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 11 बजे डॉक्टरों की टीम एक मरीज के ऑपरेशन में लगी हुई थी। इस दौरान अचानक फॉल्स सीलिंग का बड़ा हिस्सा तेज आवाज के साथ गिर गया। सीलिंग से एक कुत्ता भी सीधे ऑपरेशन टेबल के पास आ गिरा जिसमें ऑपरेशन में मदद कर रही नर्स गंभीर रूप से घायल हो गईं। नर्स के कंधे और गर्दन में चोटें आई हैं। वहीं, घटना के बाद डॉक्टरों ने ऑपरेशन को बीच में रोक दिया। मरीजों का कहना है कि फॉल्स सीलिंग गिरने की आशंका पहले से ही जताई जा रही थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। घटना की सूचना मिलने के बावजूद रेलवे इंजीनियरिंग विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा।

हथिनी को हुई प्रसव पीड़ा,पटरी पर ही दे दिया बच्चे को जन्म, 2 घंटे तक रुकी रही मालगाड़ी

रामगढ़ः रेलवे और झारखंड वन विभाग ने संकट में फंसी एक गर्भवती हथिनी की सुरक्षा के लिए एक साथ मिलकर काम किया और घने जंगल से होकर गुजरने वाली एक रेल लाइन पर उसके बच्चे का सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए चलती मालगाड़ी को रोक दिया।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना पूर्व मध्य रेलवे में रांची-कोडरमा मार्ग पर बरकाकाना और हजारीबाग स्टेशनों के बीच सरवाहा गांव के पास घटी। यह वह मार्ग है जिसे सक्रिय हाथी गलियारे का हिस्सा माना जाता है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित होने के बाद यह घटना सामने आयी जो 25 जून को हुई थी। रामगढ़ के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) नीतीश कुमार ने बताया, हमारे वन रक्षक ने मुझे तड़के तीन बजे सूचना दी कि एक गर्भवती हथिनी संकट में है और उसे प्रसव पीड़ा हो रही है। रक्षक ने कहा कि अगर ट्रेनों की आवाजाही नहीं रोकी गई तो हाथी के कुचले जाने की आशंका है।"

कुमार ने बताया कि उन्होंने तुरंत बरकाकाना में रेलवे नियंत्रण कक्ष से संपर्क किया और निर्देश दिया कि जब तक हथिनी बच्चे को जन्म नहीं दे देती, तब तक ट्रेनों की आवाजाही रोक दी जाए। कुछ ही देर बाद, एक मालगाड़ी रोक दी गई और हथिनी ने पटरियों पर बच्चे को जन्म दिया। वायरल वीडियो में मां और नवजात बच्चे पटरी पर दिख रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोग दोनों की मदद के लिए आगे आए और इसके तुरंत बाद मां और बच्चे जंगल के भीतर अपने झुंड के साथ फिर से मिल गए।

न्यूज IN ब्रीफ

रिव्यू बैठक करने चतरा पहुंचे बोकारो आईजी क्रांति कुमार गणदेशी

चतराः जिले की विधि व्यवस्था एवं अन्य संबंधित मामलों की रिव्यू बैठक करने मंगलवार को आईजी क्रांति कुमार गणदेशी चतरा पहुंचे। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के पश्चात मीडिया से बातचीत करते हुए आईजी श्री गणदेशी ने कहा कि समीक्षा बैठक में ऑपरेशन के ऊपर जोर देने एवं अफीम की अवैध खेती के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने का निर्देश दिया गया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि चतरा पुलिस के द्वारा लगातार अफीम और ब्राउन शुगर के अवैध व्यापार में शामिल लोगों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस इस कार्य में शामिल लोगों की पहचान कर रही है।साथ ही उन समानों को भी जब्त करने का कार्य कर रही है जिनसे इनका निर्माण होता है। आइजी ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस की छापेमारी का असर जल्द दिखाई देगा।अगले वर्ष इस क्षेत्र में अफीम की खेती में गिरावट देखने को मिलेगी।

ग्रामीणों ने तिलका मांझी की तस्वीर रखकर किया भूमि पूजन

साहिबगंज/मंडरो : प्रखंड क्षेत्र के पुसरगोडा चतरा पहाड़ में हीलए सेम्बली पहाड़िया महासभा के माध्यम से बाबा जवरा पहाड़िया उर्फ तिलका मांझी का तस्वीर रखकर भूमि पूजन किया गया।इस संबंध में बताया गया कि यहां बाबा जबरा उर्फ.तिलका मांझी की प्रतिमा स्थापित किया जाएगा।इसके लिए भूमि पूजन किया गया जिसमें उपस्थित ग्राम प्रधान चमरा पहाड़िया सोमरा पहाड़िया सरदार सिमोन मालतो सरदार धर्मदेव पहाड़िया बरहेट सरदार मरकुस मालतो बोरियो सरदार मैसा पहाड़िया बोरियो सदस्य मधू पहाड़िया सदस्य बुधू पहाड़िया सदस्य मदिया पहाड़िन सदस्य सुनीता पहाड़िन सदस्य बड़ी सुनीता पहाड़िन इत्यादि मौजूद थे।

शिकारीपाड़ा को 04-00 से हराकर दुमका ने की अपने खिताब की रक्षा

दुमका : झारखंड शिक्षा परियोजना दुमका के तत्वावधान में दुमका के कमारदुधानी स्थित फुटबॉल स्टेडियम में 64 वीं सुब्रतो मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत 17 वर्ष से कम आयु के स्कूली बच्चियों के लिए जिलास्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई ।प्रतियोगिता में विभिन्न प्रखंडों से जीतकर आई विभिन्न विद्यालय की टीमों ने अपने-अपने प्रखंड का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में पहली बार दुमका जिले के सभी 10 प्रखंड की टीमों ने तमाम निर्धारित मानक का अक्षरशः पालन करते हुए न सिर्फ भाग लिया बल्कि अपने बेहतरीन प्रदर्शन से उपस्थित दर्शकों को बेहद प्रभावित किया।

खिताब की प्रबल दावेदार दुमका की टीम ने फाइनल मुकाबले में शिकारीपाड़ा को 04-00 से हराकर एकबार फिर से खिताब पर कब्जा कर लिया।प्रमंडल स्तरीय मुकाबले में यही टीम दुमका जिला का प्रतिनिधित्व करेगी।गत वर्ष दुमका की टीम ने ही राज्य स्तर भी संताल परगना प्रमंडल का प्रतिनिधित्व किया था। जरमुंडी ने कड़े संघर्षपूर्ण मुकाबले में रानेश्वर को 01-00 से परास्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया । इससे पूर्व पहले सेमीफाइनल मुकाबले में दुमका ने रानेश्वर को 05-00 तथा शिकारीपाड़ा ने जरमुंडी को 01-00 से परास्त कर फाइनल का टिकट लिया था। नाकआउट चरण के मैच में शिकारीपाड़ा ने रामगढ़ को, जरमुंडी ने गोपीकांदर को रानेश्वर ने कठीकुंड को जामा ने सरैयाहाट को दुमका ने जामा को तथा शिकारीपाड़ा ने मसलिया को परास्त कर अगले चक्र में प्रवेश पाया था।

प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करनेवाली टीम को आयोजन समिति द्वारा चमचमाती ट्राफी और मेडल के साथ प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किये गये।

प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक संचालन में झारखंड शिक्षा परियोजना शिकारीपाड़ा के एमआइएस समन्वयक विजय कुमार,शिक्षक मदन कुमार ,शारीरिक शिक्षक क्रमशः ज्ञानप्रकाश ठाकुर, अमित कुमार,सुमन कुमार, मोइम अंसारी,कुमार नवनीत, शिवराम सिमोन टुडू,असीम हेम्ब्रम,प्रीतम मरांडी,जोसेफ मुर्मू,मानवेन्द्र कुमार,राजेश कुमार सरोज,सचिन कुमार,जूली किरण मुर्मू ,संतोष कुमार पटेल,दीपांकर कुमार मंडल,सुहागिनी मुर्मू,रामानंद घोष के साथ रेफरी के रुप में इग्न्यायुस टुडू,पिंटू मुर्मू,उमेश टुडू तथा लारेंस मुर्मू के अलावा मेडिकल टीम के मीना मुर्मू तथा स्नेह क्रिस्मिटीना मरांडी की भूमिका अहम रही।

किसानों को मिला कलाई का बीज

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित कृषि तकनीकी सूचना केंद्र में मंगलवार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन योजना के तहत किसानों के बीच कलाई का बीज वितरित किया गया। सहायक तकनीकी प्रबंधक मुशर्रफ नसर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रखंड की उत्तरी व दक्षिण सरफराजगंज, प्राणपुर, और पूर्वी उधवा के दर्जनों किसानों को कलाई का बीज दिया गया। कुल 35 किसानों को इस योजना का लाभ मिला। बीज वितरण से पहले, किसानों के आधार कार्ड और जमीन संबंधी कागजात लेकर उनका विधिवत रजिस्ट्रेशन किया गया। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लाभ सही किसानों तक पहुंचे। मुशर्रफ नसर ने सभी किसानों को कलाई के बीज को अपने-अपने खेतों में सही तरीके से लगाने के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी। इस अवसर पर किसान मुस्लिम शेख, लोगेन मंडल, सुजन प्रमाणिक, विश्वजीत मंडल, रकीरूद्दीन शेख, बबलू शेख, करण मंडल, फोटिक शेख, साबिर आलम, ओमप्रकाश मंडल, महाजल शेख सहित कई अन्य किसान मौजूद थे।

सीसीएल और सीयूजे की टीम ने किया पौधरोपण

रांची : पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और हरित भविष्य की दिशा में सार्थक पहल करते हुए, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की टीम ने झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, मानतू के सहयोग से ह्लएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया।इस अवसर पर सीसीएल के पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष राज कुमार, महाप्रबंधक पर्यावरण संगीता, उप प्रबंधक राजीव कुमार सहित अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय से कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दस, डीन प्रो. मनोज कुमार, रजिस्ट्रार के-के राव, डिप्टी डीन एकेडमिक अफेयर्स सुशील कुमार शुक्ला, वित्त अधिकारी पीके पांडा तथा लाइब्रेरियन डॉ. सुजीत कुमार पांडेय ने भी सक्रिय सहभागिता दर्ज की।

केंद्र सरकार के चार नए श्रम कानूनों के खिलाफ श्रमिक संगठनों का भारत बंद, प्रदेश में मिला-जुला असर

संवाददाता

रांची : केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार नए श्रम कानूनों के विरोध में विभिन्न ट्रेड यूनियनों द्वारा आहूत भारत बंद का राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में मिला-जुला असर देखने को मिला। रांची के धुर्वा स्थित एचईसी परिसर में मजदूर यूनियन के सदस्यों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि चार नए श्रम कानून मजदूरों के हितों के खिलाफ हैं और इन्हें हर हाल में वापस लिया जाना चाहिए।

विरोध प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का कहना था कि नए श्रम कानूनों से श्रमिकों का शोषण बढ़ेगा और उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा भी नहीं मिल पाएगी। इस दौरान भाकपा-माले समेत कई श्रमिक संगठनों ने अल्बर्ट एक्का चौक पर भी विरोध-प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

इधर रामगढ़ के कोलवारी क्षेत्र में भी बंद का असर देखा गया। वहीं धनबाद,

कतरास और पतरातू में बड़ी संख्या में ट्रेड यूनियनों से जुड़े लोग सड़कों पर उतरे और केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

भाकपा-माले के जिला सचिव अजय कुमार सिंह, कर्मचारी संघ के सुनील साहू, बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन के सतीश भार्गव और एआईबीए के सरफराज अहमद समेत कई नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों और मजदूरों पर कहर ढा रही है। 44 श्रम कानूनों को बदलकर चार लेबर कोड लागू कर दिए गए हैं, जो श्रमिकों के हक के खिलाफ हैं। किसानों को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी अब तक नहीं दी गई है। नेताओं ने बताया कि मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ और 17 सूत्री मांगों के समर्थन में यह आम हड़ताल आयोजित की गई है। इस भारत बंद को झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राजद समेत सभी वामदलों ने समर्थन दिया है।

श्रम कानूनों के विरोध में सड़क पर उतरे श्रमिक संगठन और महागठबंधन के सहयोगी दल

चतराः किसानों एवं श्रमिक संगठनों द्वारा बुलाए गए आज के भारत बंद का असर सुबह से ही चतरा जिले में देखा जा रहा है। चार नए श्रम कानूनों का विरोध करने सड़कों पर उतरे श्रमिक संगठनों और राजनीतिक दल के नेताओं को चतरा के केशरी चौक पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । जिसके बाद संगठनों और विभिन्न दलों के कार्यकताओं ने गिरफ्तारी का विरोध करते हुए नारेबाजी की । चतरा में भारत बंद का विरोध करने में सबसे अधिक जोर लाल झंडे का दिखा। इंकलाबी नौजवान सभा के युवा कार्यकर्ता सुबह से ही बंद को सफल बनाने के लिए सड़क पर नजर आए। भारत बंद को महागठबंधन के सहयोगी दलों का भी समर्थन प्राप्त है। पुलिस जीप में गिरफ्तार कर ले कर जाने के क्रम में श्रमिक नेता महेश बांडों ने कहा कि भारत बंद कराने के लिए श्रमिक और कामगार संगठनों के कार्यकर्ता आज सड़क पर उतरे है। यह विरोध प्रदर्शन सरकार की 4 श्रमिक विरोधी नीतियों के विरोध में है। सीपीआई के नेता एन शुक्ला ने अपना विरोध जताते हुए कहा कि हमारी गिरफ्तारी इस लिए हो रही है क्योंकि हम भारत बंद के समर्थन में उतरे हैं। कहा कि केंद्र की सरकार कॉरपोरेट घरानों के इशारे पर चल रही है और मजदूरों का शोषण कर रही है। सरकार किसान और मजदूर के विरोध में कानून बना रही है जिसका हम विरोध करते हैं।

झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष पहुंचे चतरा

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के क्रियान्वयन की समीक्षा

संवाददाता

चतरा : झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष-सह-सदस्य शबनम परवीन ने मंगलवार को चतरा जिले का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की जमीनी स्थिति, प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की प्रगति तथा झारखण्ड राज्य आकस्मिक खाद्यान्न कोष के क्रियान्वयन की जिला एवं पंचायत स्तर पर समीक्षा की।

इस संबंध में परिसदन भवन, चतरा में आयोजित समीक्षात्मक बैठक में प्रभारी अध्यक्ष ने संबंधित पदाधिकारियों से योजनाओं की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लाभुकों को समय पर एवं पारदर्शी रूप से लाभ उपलब्ध कराया जाए, तथा यदि किसी भी स्तर पर शिकायत प्राप्त होती है तो उसका शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों की अद्यतन स्थिति, निपटान की गुणवत्ता और समयावधि।आकस्मिक खाद्यान्न कोष के जिला स्तर पर आवंटन, पंचायत एवं नगर निकाय स्तर पर राशि की उपलब्धता, व्यय की प्रगति, तथा लाभान्वित लाभुकों की संख्या। लाभुकों तक योजनाओं की पहुँच, उनकी

पात्रता सत्यापन की प्रक्रिया एवं सूचना पारदर्शिता के स्तर। प्रभारी अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में जन सहभागिता, नियमित अनुश्रवण तथा शिकायत निवारण तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पोषण सुरक्षा, भोजन का अधिकार एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की खाद्य पहुँच सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी मनिंदर भगत, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रीना साहू, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारीगण, प्रशासक, नगर परिषद, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।अंत में सभी संबंधित पदाधिकारियों से यह अपेक्षा जताई कि योजनाओं का कुशल, पारदर्शी एवं संवेदनशील ढंग से क्रियान्वयन हो, जिससे अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके। योजनाओं के क्रियान्वयन स्थलों का औचक निरीक्षणः बैठक के पश्चात झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष-सह-सदस्य शबनम परवीन द्वारा चतरा जिला अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन स्थलों का औचक निरीक्षण किया गया।

जनता की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

रांची : रांची जिला प्रशासन द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निदेर्शानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिले के सभी प्रखंडो एवं अंचलों में जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य जनता की शिकायतों को सुनना, उनकी समस्याओं को समझना और यथासंभव तत्काल निष्पादन सुनिश्चित करना है।

मंगलवार को सभी प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों में संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों ने जनता दरबार में लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया।

जनता दरबार के दौरान विभिन्न प्रखंड कार्यालयों एवं अंचल कार्यालयों में लोगों ने अपनी समस्याएं अंचल अधिकारियों के समक्ष रखीं। जिसमें प्रमुख रूप से भूमि संबंधी मामले, भूमि बंटवारा, अतिक्रमण, दाखिल-खारिज, भूमि निबंधन, और जमीन मापी से संबंधित शिकायतें एवं अन्य शिकायत आई। उपायुक्त के स्पष्ट निदेर्शों के अनुरूप सभी प्रखंड एवं अंचल अधिकारियों ने इन समस्याओं को गंभीरता से लिया। कई फरियादियों की शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों को शीघ्र कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। जनता दरबार में अंचल निरीक्षक (सीआई) और राजस्व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। राजस्व से संबंधित शिकायतों, जैसे दाखिल-खारिज, अतिक्रमण, और भूमि मापी, के त्वरित निष्पादन के लिए इन अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी। उपायुक्त ने राजस्व कर्मचारियों को जनता की शिकायतों की अद्यतन जानकारी रखने और त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इस व्यवस्था से जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

अपर प्रशासक ने भवन निर्माण रोकने का दिया आदेश

रांची : रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत वार्ड संख्या-01, प्लॉट संख्या-30, 31, 32, 33, 34, खाता संख्या-18, 83, 110 रकवा-6935.96 वर्ग मीटर पर, पारित नक्शा संख्या में निमार्णाधीन भवन का स्थल निरीक्षण नगर निगम के संयुक्त जांच दल द्वारा किया गया था।

इ्रजांच प्रतिवेदन के अनुसार निमार्णाधीन भवन की बाउंड्रीवाल गिरने के कारण बगल के भवन एवं दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गई। साथ ही मलबे से निमार्णाधीन भवन के सामने स्थित नाली भी बंद हो गई थी।

इ्रपूर्व में रांची नगर निगम द्वारा उक्त स्थल पर निर्माण कार्य रोकने का नोटिस दिया गया था परन्तु उक्त स्थल पर निर्माण कार्य जारी रहा, जो नियमों का उल्लंघन है। साथ ही द्वारा उक्त नक्शे का पुनर्वैधीकरण कराए बिना निर्माण कार्य जारी रहा। इ्रइस तरह का निर्माण कार्य मानवीय एवं अन्य परिसम्पतियों के लिये नुकसानदाक साबित हो सकता है। जिसके आलोक में अपर प्रशासक के आदेशानुसार झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 की कुंडिका-437 एवं झारखण्ड भवन उपविधि 2016 की कंडिका-20 के तहत उक्त निमार्णाधीन भवन के कार्य को तत्काल प्रभाव से रोकने एवं सील करने का आदेश दिया गया।

सभी पात्र बच्चों का खोला जा रहा है बैंक खाता

विद्यालयों में चल रहा विशेष शिविर अभियान

आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु अभियान मोड में कार्य

चतराः जिले में सभी पात्र विद्यार्थियों का बैंक खाता खोले जाने हेतु एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उपायुक्त कीर्तिश्री द्वारा शिक्षा विभाग के समीक्षा बैठक में निर्देश दिए गए कि जिले के प्रत्येक पात्र छात्र-छात्रा का बैंक खाता अनिवार्य रूप से खोला जाए, ताकि शैक्षणिक और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे बच्चों को मिल सके।

उक्त निर्देश के आलोक में जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय तथा अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से कार्य किया जा रहा है। सभी बैंकों के बैंकिंग करेस्पॉन्डेंट्स (इउ) विभिन्न विद्यालयों में जाकर बच्चों का खाता खोलने की प्रक्रिया को अंजाम दे रहे हैं। इस अभियान को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज के नेतृत्व में एक समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसके उपरांत विद्यालय स्तर पर बैंकिंग कैंप लगाए जा रहे हैं। यह पहल बच्चों के बैंकिंग समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उन्हें विभिन्न शासकीय लाभों का समय पर और पारदर्शी ढंग से लाभ प्राप्त हो सकेगा।

आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु अभियान मोड में कार्यः उपायुक्त के निर्देश के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया के नेतृत्व में प्रखंड विकास पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग एवं सीएससी केंद्रों के माध्यम से 16 जून से 1 जुलाई 2025 तक विशेष शिविर अभियान चलाया गया, जिसमें कुल 17,292 पात्र लाभुकों का आयुष्मान भारत कार्ड बनाया गया। यह आँकड़ा 7 जुलाई तक का है। वर्तमान में 1 जुलाई से प्रज्ञा केंद्रों एवं सहिया दीदियों द्वारा लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य सतत रूप से किया जा रहा है। उक्त अभियान की निरंतर निगरानी अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया द्वारा की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को इस महत्त्वाकांक्षी योजना का लाभ मिल सके। यह अभियान जिले के विकास एवं जनकल्याण की दिशा में एक सशक्त पहल है।

बड़े पैमाने पर डॉक्टरों का तबादला, कई सिविल सर्जन भी बदले गए

संवाददाता

रांची : हेमंत सोरेन सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य में बड़े पैमाने पर डॉक्टरों और सिविल सर्जनों का तबादला किया है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

तबादला सूची के अनुसार डॉ. सिद्धार्थ सान्याल को निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं झारखंड नियुक्त किया गया है। डॉ. अजीत खलखो को निदेशक शोध, स्वास्थ्य निदेशालय रांची में नई जिम्मेदारी दी गई है। वहीं डॉ. दिनेश कुमार को निदेशक योजना एवं प्रशासन, स्वास्थ्य निदेशालय रांची बनाया गया है। डॉ. आशुतोष कुमार सिंह को संचारी रोग निदेशक के पद पर स्वास्थ्य निदेशालय रांची भेजा गया है। इसके अलावा डॉ. अजय कुमार सिंह को पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी का दायित्व सौंपा गया है जबकि डॉ. शिव कुमार मिश्रा को क्षेत्रीय उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग भेजा गया है।

डॉ. अमरेंद्र नाथ डे को कोल्हान प्रमंडल पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा का क्षेत्रीय उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं बनाया गया है। वहीं डॉ. चंद्रकिशोर शाही को संथाल परगना प्रमंडल दुमका के लिए क्षेत्रीय उपनिदेशक की जिम्मेदारी दी गई है। सिविल सर्जनों के तबादलों में डॉ. कमलेश्वर प्रसाद को दुमका, डॉ. आलोक विश्वकर्मा को धनबाद, डॉ. शंभूनाथ चौधरी को गुमला, डॉ. युगलकिशोर चौधरी को देवघर और डॉ. राजू कच्छप को लोहरदगा का सिविल सर्जन बनाया गया है। इसके अलावा डॉ. जेजे कैनेडी को गढ़वा, डॉ. सुंदर मोहन समद को सिमडेगा, डॉ. अशोक कुमार को हजारीबाग, रामदेव पासवान को साहिबगंज, डॉ. शेख मोहम्मद जफरुल्लाह को गिरिडीह और डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव को पलामू का सिविल सर्जन बनाया गया है।

डॉ. सुरेंद्र कुमार मिश्रा को पाकुड़, डॉ. राजमोहन खलखो को लातेहार, डॉ. सरयू प्रसाद सिंह को

सरायकेला, डॉ. सुभाष चंद्र शर्मा को गोड्डा और डॉ. जगदीश प्रसाद को चतरा का सिविल सर्जन बनाया गया है। वहीं डॉ. अनिल कुमार को उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य निदेशालय रांची में पदस्थापित किया गया है। डॉ. ललित रंजन पाठक को उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य टेरेसा रांची में जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. बच्चा प्रसाद सिंह को अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी देवघर, डॉ. चंद्रभानु प्रताप को जनरल मलेरिया पदाधिकारी रांची और डॉ. मीणा कालूइंडिया को अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा में नियुक्त किया गया है। डॉ. बालमुकुंद झा को अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी गिरिडीह तथा डॉ. नवल सिंह को अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी रामगढ़ बनाया गया है।

सदर अस्पतालों में उपाधीक्षकों की नई पोस्टिंग भी की गई है। इसमें डॉ. जितेंद्र प्रसाद सिंह को बोकारो, डॉ. प्रदीप बैठा को गिरिडीह, डॉ. अनुपम कुमार किशोर को गुमला, डॉ. आनंद किशोर को खूंटी, डॉ. रंजीत कुमार को कोडरमा, डॉ. अखिलेश्वर प्रसाद को लातेहार, डॉ. शंकर प्रसाद को लोहरदगा, डॉ. देवेश कुमार को साहिबगंज, डॉ. के आनंद खाखा को सिमडेगा, डॉ. शिवचरण हाँसदा को पश्चिमी सिंहभूम, डॉ. ताराशंकर झा को गोड्डा, डॉ. पंकज कुमार को चतरा, डॉ. विमलेश सिंह को रांची, डॉ. सुषमा वर्मा को देवघर, डॉ. संजीव कुमार को धनबाद तथा डॉ. हरेंद्रचंद महतो को रामगढ़ के सदर अस्पताल में उपाधीक्षक बनाया गया है।

इसके अलावा डॉ. रमेश कुमार को जिला आरसीएच पदाधिकारी देवघर, डॉ. शोभा किसपोतता को खूंटी और डॉ. रंजना सिंह को हजारीबाग में जिला आरसीएच पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया को जिला बीभीडी पदाधिकारी पलामू, डॉ. कपिल मुनी प्रसाद को बीभीडी पदाधिकारी हजारीबाग बनाया गया है। डॉ. माहेरू यामिनी को गढ़वा का उपाधीक्षक नियुक्त किया गया है।

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह को उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य निदेशालय रांची भेजा गया है। डॉ. संजीव कुमार, डॉ. रमेश कुमार और अन्य डॉक्टरों को भी नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस बड़े पैमाने पर हुए फेरबदल से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की उम्मीद की जा रही है।

चारा घोटाला मामले में लालू यादव को झटका

सजा बढ़ाने की सीबीआई के आवेदन को झारखंड हाईकोर्ट ने किया स्वीकार

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद सहित तीन आरोपियों की सजा बढ़ाने के लिए सीबीआई द्वारा दायर क्रिमिनल अपील स्वीकार कर ली है। सीबीआई ने चारा घोटाले में देवघर से हुई 89 लाख रुपये की फर्जी निकासी के मामले में दोषी करार दिये गये छह लोगों की सजा बढ़ाने के लिए याचिका दायर की थी। इसमें से तीन की मौत हो चुकी है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश रंगोन मुखोपाध्याय और न्यायाधीश अंबुज नाथ की पीठ ने सीबीआई की दलील सुनने के बाद याचिका स्वीकार कर ली है।

जानकारी के मुताबिक

सीबीआई ने चारा घोटाले में देवघर ट्रेजरी से हुई अवैध निकासी के मामले में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत द्वारा दी गयी सजा को बढ़ाने के लिए क्रिमिनल अपील दायर की थी।

इसमें छह दोषियों की सजा बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। इसमें लालू प्रसाद, बेक जूलियस,सुबीर भट्टाचार्य, आरके राणा, फूलचंद सिंह और महेश प्रसाद का नाम था। इसमें से आरके राणा, फूलचंद सिंह और महेश प्रसाद की मौत हो चुकी है। इसलिए बाकी बचे तीन के मामले में सुनवाई हुई।

सीबीआई की ओर से अधिवक्ता दीपक भारती ने दलील पेश की। उन्होंने अदालत से कहा कि सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने चारा घाटोले में जगदीश शर्मा, को पीसी एक्ट और आईपीसी की धाराओं के तहत सात सात साल की सजा सुनाई थी। साथ ही 10-10 लाख रुपये का अर्थ दंड भी लगाया था। लेकिन अदालत ने लालू प्रसाद, बेक जूलियस और सुबीर भट्टाचार्ट को साढ़े तीन तीन साल की सजा सुनायी थी। निचली अदालत द्वारा दी गयी यह सजा कम है। क्योंकि निचली अदालत ने अपने फैसले में यह लिखा है कि लालू प्रसाद के संरक्षण के चारा घोटाले को अंजाम दिया गया। निचली अदालत द्वारा लिखी गयी इस बात के मद्देनजर घोटाले को संरक्षण देने वाले को दी गयी सजा कम है। इसलिए इन अभियुक्तों को ज्यादा मिलनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने वर्ष 1996 में देवघर ट्रेजरी से हुई 89 लाख की फर्जी निकासी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। सीबीआई द्वारा जांच के बाद दायर आरोप पत्र के आलोक में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 23।12।2017 को फैसला सुनाया था।

सीबीआई के विशेष न्यायाधीश शिवपाल सिंह ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के बाद 6-1-2018 को सजा सुनाया था। न्यायालय ने लालू प्रसाद,बेक जूलियस, आरके राणा, फूलचंद सिंह महेश प्रसाद और सुबीर भट्टाचार्य को पीसी एक्ट और आईपीसी की धाराओं के तहत साढ़े तीन तीन साल की सजा सुनाई थी। लेकिन एकीकृत बिहार मे लोक लेखा समिति के अध्यक्ष रहे जगदीश शर्मा को साढ़े सात साल की सजा सुनाई थी। साथ ही 10 लाख रुपये का दंड भी लगाया था।

शिबू सोरेन से मिलने दिल्ली पहुंचे बाबूलाल मरांडी, सीएम से जाना गुरुजी का हाल

संवाददाता

रांची/नई दिल्लीः झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में बीते कई दिनों से इलाजरत है। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत राज्य और केंद्र के कई नेता और मंत्री उनका हाल जानने अस्पताल गये थे। इसी बीच आज बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी गुरुजी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने अस्पताल पहुंचे।

बाबूलाल मरांडी ने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बातचीत कर गुरुजी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वे सीएम के साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

विधायक जयराम महतो पर प्राथमिकी,महिला ने लगाया अपमानित करने का आरोप

मेट्रो रेज

रांचीः डुमरी विधायक जयराम महतो के खिलाफ अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। सी कायर्ता सुषमा बड़ाईक ने विधायक के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गयी अभद्र टिप्पणी और अपमानजनक भाषा के आधार पर यह मामला दर्ज कराया है।

महिला ने अभद्र टिप्पणी

का लगाया आरोपः बता दें कि महिला ने आरोप लगाया है कि विधायक ने सोशल मीडिया पर उसकी छवि को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ असम्य भाषा का प्रयोग किया। अरगोड़ा पुलिस ने भी इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि षिकायत दर्ज क ली गयी है और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।

फिलहाल पुलिस यह जानने की कोषिष कर रही है कि क्या यह टिप्पणी वास्तव में विधायक द्वारा की गयी थी या किसी अन्य व्यक्ति ने उनके नाम का उपयोग किया है। इधर विधायक जयराम महतो की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रांची में कल पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे अमित शाह, हेमंत सोरेन होंगे शामिल

संवाददाता

रांचीः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 10 जुलाई को रांची में महत्वपूर्ण पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि बैठक में भाग लेने वाले पूर्वी राज्यों झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। बैठक की तैयारी के लिए, रांची में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं, और शाह बुधवार शाम को रांची पहुँचेंगे। बैठक में विविध और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। खासकर यौन अपराधों की त्वरित जाँच और फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों के

कार्यान्वयन पर शामिल है।

चर्चा के महत्वपूर्ण विषयों में क्षेत्र में पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और शहरी नियोजन को आगे बढ़ाना शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने सहकारी संघवाद की आवश्यकता पर जोर दिया है, और ये परिषदें संबंधित राज्यों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सलाहकार निकायों के रूप में कार्य करती हैं। अमित शाह की अध्यक्षता में यह बैठक गुरुवार सुबह 11 बजे रांची के रेडिसन ब्लू होटल में होगी।

इस बैठक में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहनचरण मांझी और बिहार व पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। बिहार सरकार के दो मंत्री विजय चौधरी और सम्राट चौधरी पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होंगे। नीतीश कुमार के शामिल होने की संभावना कम है। ओडिशा से मुख्यमंत्री मोहनचरण मांझी शामिल होंगे; उनके साथ उपमुख्यमंत्री पार्वती परिदा और मंत्री मुकेश महालिंगम भी मौजूद रहेंगे। पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व मंत्री चंद्रिका भट्टाचार्य करेंगी।

एजेंडे में बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के बीच लंबित अंतर-राज्यीय मुद्दों पर चर्चा और पिछली परिषद बैठकों में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा शामिल है। झारखंड सरकार केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये के लंबित बकाये की मांग भी कर सकती है। वह उन 17 जिलों में सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) निधि की बहाली की भी मांग करेगी, जिन्हें पहले वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित के रूप में वगीर्कृत किया गया था, लेकिन अब उन्हें सूची से हटा दिया गया है, जिसके कारण एसआरई सहायता बंद हो गई है।

बाबा आमरेश्वर धाम के दर्शन में इस साल श्रद्धालुओं को हो सकती है परेशानी

मेट्रो रेज

खूंटीः सावन में श्रद्धालुओं को यहां पहुंचने में कठिनाई हो सकती है। झारखण्ड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से भी बाबा के भक्त यहां जल चढ़ाने और मन्नतें मांगने पहुंचते हैं। सावन को लेकर खूँटी के प्रसिद्ध बाबा अमरेश्वर धाम में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सावन में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रविवार व सोमवार के लिए दंडाधिकारी की भी नियुक्ति की गयी है।

महिला पुलिस बल की भी तैनाती की गयी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवा काउंटर सेवा भी बहाल कर दी गई है। इस बार श्रद्धालु खूँटी पेलोल के रास्ते आमरेश्वर धाम नहीं जा सकेंगे, श्रद्धालुओं के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की गयी है, इस बार राँची से आने वाले श्रद्धालु रिंग रोड से लोधमा, जालटंडा बाजार, जुरदाग होते हुए अमरेश्वर धाम जायेंगे, खूँटी बुंडू तमाड़ से आने वाले श्रद्धालु मार्टिन बांग्ला महल होते हुए आमरेश्वर धाम पहुंचेंगे।

आम जनता से टैक्स क्यों वसूलती है केंद्र एवं राज्य सरकारें: रामप्रकाश तिवारी

संवाददाता

रांचीः स्वतंत्र राष्ट्रवादी पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष राम प्रकाश तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल खड़ा करते हुए पूछा है कि आपकी केंद्र सरकार एवं झारखंड सरकार आम जनता से विभिन्न टैक्स आयकर,जीएसटी टैक्स,बिजली बिल, होल्डिंग टैक्स, टीडीएस चार्ज, वाटर टैक्स,रोड टैक्स, टोल टैक्स, यातायात जुमार्ना इत्यादि तमाम टैक्स क्यों वसूलती रहती है और आम आदमी का जेब ढीला करके सरकारी खजाना वृद्धि करते रहती है सरकार जितना टैक्स वसूली करती है उस हिसाब से तमाम आम नागरिकों को आवश्यक बिजली, शुद्ध पेयजल, शिक्षा, चिकित्सा,

सड़क, आवास इत्यादि नागरिक सुविधाएं और तमाम विकास के अवसर का लाभ नहीं देती है, तमाम सरकारी योजनाओं की लूट घोटाला से भ्रष्ट नेता,अफसर, ठेकेदार, दलाल एवं राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय कंपनियां मालामाल हो रही हैं। दूसरी तरफ अधिकांश आबादी मुल सुविधाओ से वंचित गरीबी से त्रस्त रहती है,केंद्र एवं राज्य सरकार बेरोजगार युवाओं, मजदूरो को सरकारी नौकरी क्यों नहीं दे रही है? देश के तमाम किसानो को कृषि कार्य हेतु बीज, खाद, सिचाई सुविधा एवं कृषि उत्पादो का सही मूल्य नहीं दे रही है। दलालो बिचौलिया किसानो का हक को मार रही है।केंद्र एवं झारखंड सरकार सिर्फ पूंजीपतियों, सरकारी अफसरो, अभियंताओ, अधिकारियो, कर्मचारियों ठेकेदारों माफियाओं दलालों अपराधियों बिचौलियों के विकास में लगी हुई दिखाई देती है। केंद्रीय अध्यक्ष राम प्रकाश तिवारी ने तमाम आम जनता से अपील करते हुए कहा है कि अपने हक, अधिकार के लिए संघर्ष करने के लिए तैयार रहे।

आज का हड़ताल पूरी तरह सफल : ब्रजेंद्र सिंह

रांचीः झारखंड इंटक के उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा है कि आज का भारत बंद पूरा सफल रहा है उन्होंने कहा की ट्रेड यूनियन की एकजुटता के चलते सभी क्षेत्रों में यहां तक की सरकारी प्रतिष्ठानों में भी ताला लटका रहा इसके लिए उन्होंने मजदूरों कर्मचारियों और हर क्षेत्र में काम करने वाले साथियों को बधाई दिया है उन्होंने आगे कहा कि इस बंद से केंद्र सरकार को सबक लेना चाहिए और समझना चाहिए कि देश के मजदूर कर्मचारी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और इसीलिए इस तरह का कड़ा कदम उठाना पड़ा उन्होंने कहा कि मजदूर के विरुद्ध नया लेबर कोड लागू नहीं किया जाए और किसानों के पक्ष में जो भी कदम उठाना पड़े उसे सरकार उठा बैंकों का भी निजी करण की ओर नहीं भेजा जाए सरकार अगर समय रहते कदम नहीं उठाया तो इससे भी बड़ा हड़ताल हो सकता है।

लापरवाही से सरेंडर हो गई कोयलांचल विवि की लैब व लाइब्रेरी की राशि : डॉ लंबोदर महतो

पूर्व विधायक ने राज्यपाल से की दोषी के विरुद्ध कारवाई की मांग

मेट्रो रेज

रांचीः पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से मिलकर बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद द्वारा राशि वापस करने, झारखंड आंदोलन के भीष्म पितामह बिनोद बिहारी महतो द्वारा स्थापित लॉ कॉलेज, धनबाद का नामकरण उनके नाम पर करने, पूर्ण शासी का गठन करते हुए प्राचार्य की स्थायी नियुक्ति करने और बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर झारखंड की क्षेत्रीय तथा जनजातीय भाषा यथा कुरमाली, संथाली व खोरठा की पढ़ाई शुरू करने की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। डॉ। लंबोदर महतो राजभवन जाकर राज्यपाल सह कुलाधिपति को इस बात से अवगत कराया कि राज्य सरकार द्वारा बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद अंतर्गत बोकारो एवं धनबाद जिले के राजकीय डिग्री महाविद्यालय, गोमिया/ टुंडी/ जामादोबा (झरिया) को प्रति महाविद्यालय पुस्तकालय के लिए आवंटित 25-25 लाख एवं प्रयोगशाला के लिए 25- 25 लाख रुपए यानी कुल डेढ़ करोड़ रूपया वित्तीय वर्ष 24- 25 में उपलब्ध कराया गया था, किंतु विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा

लापरवाही बरतते हुए पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला के लिए उपलब्ध राशि का उपयोग नहीं करके, इस राशि को वापस कर दिया गया जिसके कारण पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला स्थापित नहीं हो पाया है। इस वजह से छात्र-छात्राओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसको देखते हुए राशि वापस कराने में लापरवाह जिम्मेवार पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने राज्यपाल से बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद तथा बार काउंसिल आफ इंडिया से प्राप्त मिली स्थायी स्वीकृति प्राप्त लॉ कॉलेज, धनबाद 1971 से संचालित है, जो झारखंड आंदोलन के मसीहा बिनोद बिहारी महतो द्वारा स्थापित है। वर्तमान में विधि महाविद्यालय में 12 सितंबर 22 से तदर्थ शासी निकाय कार्यरत है और अब तक पूर्ण शशि निकाय का गठन नहीं हो पाया है, जिसके कारण महाविद्यालय के सुचारू रूप से संचालन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही 2019 से इस महाविद्यालय में स्थायी प्राचार्य नहीं है प्रभारी प्राचार्य के कारण भी महाविद्यालय के संचालन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हमारा आग्रह शहोगा कि यह महाविद्यालय बिनोद बिहारी महतो द्वारा स्थापित है किंतु उनका नाम नहीं है, इसको देखते हुए महाविद्यालय का नामकरण बिनोद बिहारी महतो लॉ कॉलेज, धनबाद करना उचित होगा। साथ ही उन्होंने राज्यपाल सह कुलाधिपति बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद में कुरमाली, संथाली एवं खोरठा के अध्ययन- अध्यापन को लेकर स्नातक स्तर पर और स्नातकोत्तर स्तर पर पद सृजन करने की स्वीकृति देने और अध्ययन/ अध्यापन कार्य प्रारंभ करने को लेकर आदेश देने की मांग की। उन्होंने राज्यपाल को इस बात से अवगत कराया की राज्य के रांची विश्वविद्यालय, कोल्हन विश्वविद्यालय, नीलांबर -पीतांबर विश्वविद्यालय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय व अन्य विश्वविद्यालय में क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषा की पढ़ाई स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर हो रही है मगर बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद इन भाषाओं के अध्ययन अध्यापन से दूर है। राज्यपाल सह कुलाधिपति से मिलने वालों में राहुल कुमार, अमरदीप महाराज, चंद्रशेखर नायक, शशि शेखर व मनोज कपरदार शामिल थे।

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के छात्र सरस गाड़ी ने मिनी राष्ट्रीय फेंसिंग चैंपियनशिप में जीता कॉस्य

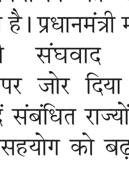

रांचीः एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के प्रतिभाशाली छात्र सरस गाड़ी ने 13वीं मिनी राष्ट्रीय फेंसिंग चैंपियनशिप (अंडर-10) में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर विद्यालय एवं शहर का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 5 जुलाई से 7 जुलाई 2025 तक नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित की गई थी। विद्यालय के प्राचार्य शादान आलम ने सरस की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने भी इस सफलता पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि स्कूल खेलों के क्षेत्र में विद्यार्थियों को निरंतर प्रोत्साहित करता है और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली से रांची जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस में उठने लगा धुआं, चलती ट्रेन से कूदे यात्री

रांचीः दिल्ली से रांची जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12878) में सवार यात्रियों में उस वक्त हड़कंप मच गया जब ट्रेन की जी-5 बोगी से अचानक धुआं उठने लगा। धुआं उठता देख यात्री घबरा गए और चलती ट्रेन से कूद गए।

यह हादसा गाजियाबाद और खुर्जा के बीच हुआ। ट्रेन की जी-5 बोगी से अचानक धुआं उठता देख यात्री घबरा गए और चलती ट्रेन से अपने सामान के साथ कूद गए जिससे उन्हें गंभीर चोटें लगी है। टीटी ने गार्ड और लोको पायलट को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद ट्रेन को रोका गया। ट्रेन रुकने के बाद रेलवे कर्मचारियों ने कोच की जांच की।

इस दौरान लगभग 35 मिनट तक डरे और सहमे यात्री पटरी के किनारे खड़े रहे। कोच में आई खराबी को ठीक कर लिया गया जिसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली और ट्रेन में बैठे।

राँची समाहरणालय,राँची
(सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
(जिला बाल संरक्षण इकाई)

गुमशुदा बालिका की सूचना
(बाल कल्याण समिति, रांची के आदेशानुसार)

- नाम– इशिका (काल्पनिक नाम)
- लिंग– बालिका
- पिता का नाम– अज्ञात
- माता का नाम– अज्ञात
- पता– अज्ञात
- उम्र – 03 वर्ष (लगभग)
- रंग – सांवला

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाल कल्याण समिति, राँची के आदेशानुसार एक बालिका इशिका (काल्पनिक नाम) को करूणा एन०एम०ओ०, राँची में आवासित किया गया है। जिसके जैविक एवं विधिक संरक्षक का पता लगाने हेतु राज्य स्तरीय एवं स्थानीय अखबार में विज्ञापन प्रकाशित की गयी है। उक्त बालिका के जैविक एवं विधिक संरक्षक का विज्ञापन प्रकाशन के 120 दिनों (चार माह) तक कोई दावा प्रस्तुत नहीं होने पर दत्तक ग्रहण मार्गदर्शिका 2017 के नियम, 6 के उपनियम, 13 के अन्तर्गत बालिका को दत्तक ग्रहण हेतु बाल कल्याण समिति, राँची द्वारा कानुनी रूप से मुक्त किया जा सकेगा।

दावा प्रस्तुत करने का पता एवं संपर्क नम्बर–

1. बाल कल्याण समिति, राँची राँची समाहरणालय, राँची, भवन–ब्लॉक बी, कमरा संख्या–110
2. जिला बाल संरक्षण इकाई, राँची।राँची समाहरणालय, राँची, भवन–ब्लॉक बी,कमरा संख्या–111सम्पर्क सूत्र–6513505516

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, राँची।

सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, राँची।

PR 356763 (Social Welfare,Women and Child Development)25-26*D

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

स्वस्थ जीवनशैली दवा से अधिक लाभकारी

दुनिया में एक बड़ी आबादी डायबिटीज से पीड़ित है। डायबिटीज को कई रोगों की जननी भी माना जाता है। एक अध्ययन के अनुसार, एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाना एंटी डायबिटीज दवा मेटफार्मिन के उपयोग से अधिक प्रभावी है और इसके लाभ 20 वर्षों बाद भी बने रहते हैं। 1996 में शुरू किए गए यूएस डायबिटीज प्रिवेंशन प्रोग्राम में 22 राज्यों के 30 संस्थानों से 3,234 प्रीडायबिटीज वाले मरीजों को शामिल किया गया। इस अध्ययन का उद्देश्य मेटफार्मिन का उपयोग और स्वस्थ जीवनशैली में संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, और पर्याप्त नींद शामिल है के लाभों की तुलना करना था। संतुलित आहार में फल, सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाले प्रोटीन का सेवन व प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, शर्करा युक्त पेय पदार्थों और अत्यधिक वसा वाले खाद्य पदार्थों से बचें। यूएस के न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के शोधकताओं ने पाया कि जीवनशैली में बदलाव करने से डायबिटीज के बढ़ने में 24 प्रतिशत की कमी आई, जबकि एंटी डायबिटीज दवा ने 17 प्रतिशत तक कम किया। ये निष्कर्ष द लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलाजी जर्नल में प्रकाशित हुए। टीम ने नोट किया कि दोनों दृष्टिकोणों मेटफार्मिन लेने व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के बीच के अंतर पहले कुछ वर्षों में देखे गए और ये स्थायी थे। जीवनशैली में बदलाव ज्यादा प्रभावी : पहले तीन वर्षों के बाद जीवनशैली में बदलाव जैसे वजन कम करना और शारीरिक गतिविधि बढ़ाना टाइप दो डायबिटीज के मामलों में 58 प्रतिशत की कमी लाए, जबकि मेटफार्मिन के साथ यह कमी 31 प्रतिशत थी। न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के स्कूल आफ मेडिसिन के प्रोफेसर एमेरिटस बल्लभ राज शाह ने कहा कि डाटा यह सुझाव देता है कि जो लोग डायबिटीज से प्रभावित नहीं हुए, वे 22 वर्षों बाद भी डायबिटीज से प्रभावित नहीं हुए। जीवनशैली में बदलाव समूह के प्रतिभागियों ने डायबिटीज के बिना अतिरिक्त 3.5 वर्ष बिताए, जबकि मेटफार्मिन समूह के प्रतिभागियों ने 2.5 वर्ष का अतिरिक्त लाभ उठाया। शाह ने आगे कहा कि तीन वर्षों के भीतर (अध्ययन शुरू होने के बाद), उन्हें अध्ययन रोकना पड़ा क्योंकि जीवनशैली मेटफॉर्मिन से बेहतर थी। इसका मतलब है कि जीवनशैली जिस पर सभी भरोसा कर रहे हैं अधिक प्रभावी है। शोध लेखकों ने लिखा, फालोअप के दौरान प्लेसबो की तुलना में (इंटेंसिव लाइफस्टाइल इंटरवेंशन) समूह में डायबिटीज के घटने की दर 24 प्रतिशत कम हुई व मूल मेटफार्मिन समूह में यह 17% कम हुई। इसके परिणामस्वरूप 3.5 वर्ष और 2.5 वर्ष के बीच डायबिटीज फ्री सर्वाइवल में वृद्धि हुई।

सनातन का चुनावी महाकुंभ

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में, कुछ दिन पहले, एक मंच सजा था, जिससे वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में फेंकने और शरिया लाओ की हुंकारें भरी गई थीं। एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया गया था। वह वैचारिक कम और राजनीतिक अधिक आयोजन था। अब उसी मैदान में भगवान परशुराम के जन्म-महोत्सव की आड़ में एक और मंच सजा है- सनातन महाकुंभ। इस पूरे कार्यक्रम के आयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे थे। यदि इस मंच से सनातन धर्म पर कुछ उपदेश दिए जाते, विचार रखे जाते और सनातनियों के लिए संदेश दिए जाते, तो आयोजन को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक माना जा सकता था। जगद्गुरु रामभद्राचार्य मुख्य अध्यक्ष थे और बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री मुख्य आकर्षण थे। हालांकि बाबा ने स्पष्ट कहा कि वह राजनीति के लिए नहीं, रामनीति के लिए आए हैं। जब भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा, तो बिहार उसका पहला हिंदू-राज्य होगा। बाबा ने आह्वान किया कि बिहार के पागलो! यह गांठ बांध लो कि हमें गजवा-ए-हिंद के स्थान पर भगवा-ए-हिंद देश बनाना है। हम सब हिंदू एक हैं। हिंदुओं को जातियों में मत बांटो। बाबा ने फिर यह साफ किया कि जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं, हम उन सभी पार्टियों के साथ हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद बाबा पदयात्रा करेंगे। क्या बाबा बागेश्वर के कथनों और आह्वानों से स्पष्ट नहीं होता कि वह किस पार्टी के प्रचार के लिए आए थे? क्या धर्मगुरु का काम धर्म के नाम पर वोट मांगना ही रह गया है? जगद्गुरु रामभद्राचार्य बाबा बागेश्वर से बहुत आगे निकल गए। उन्होंने लालू यादव का नाम लिए बिना ही चारा घोटाले का उल्लेख किया। उन्हें भारत सरकार ने इसी वर्ष पद्मविभूषण से अलंकृत किया है। उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार भी मिला है। कथावाचकों को भी पद्म सम्मान मिलने लगा है, किसी ने यह टिप्पणी की होगी, तो जगद्गुरु ने पलटजवाब दिया- कमोबेश हम पशुओं का चारा नहीं खाते। रामभद्राचार्य ने भविष्यवाणी-सी की है कि इस बार राष्ट्र-विरोधियों, हिंदू-विरोधियों और राम-विरोधियों को सत्ता नहीं दी जाएगी। सत्ता उन्हें ही मिलेगी, जो हिंदुओं के लिए संघर्ष करेंगे, क्रांति करेंगे। रामभद्राचार्य ने लगभग हुंकार के अंदाज में यह भी कहा-ह्यजो सनातन को बांटना चाहेगा, वह स्वयं बंट जाएगा। जो काटना चाहेगा, वह स्वयं कट जाएगा। जो सनातन को मिटाना चाहेगा, वह स्वयं मिट जाएगा। हम राष्ट्र-विरोधियों का दमन करेंगे ह्नह्न क्या ये शब्द किसी साधु-संत के प्रतीत होते हैं? क्या ये शब्द उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान सरीखे समानार्थी नहीं हैं? जगद्गुरु विचारोत्तेजक लगे, आक्रोशित लगे। यह मुद्रा जगद्गुरु की नहीं हो सकती। भगवान परशुराम पर कुछ शब्द भी समर्पित नहीं किए गए। रामभद्राचार्य और धीरेंद्र शास्त्री के वक्तव्य राजनीतिक बिंदुओं के इर्द-गिर्द केंद्रित रहे। क्या धमार्चार्यों की भूमिका भी बिल्कुल राजनीतिक हो गई है? दोनों साधु-संत भाजपा के प्रमुख प्रचारक की भूमिका में प्रतीत हुए। लिहाजा स्पष्ट लगता है कि चुनाव हिंदू-मुसलमान ध्रुवीकरण के आधार पर लड़े जाएंगे। आयोजन में अनेक साधु-संत उपस्थित थे। मुस्लिम राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खां और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा भी मंच पर मौजूद थे। किसी भी वक्ता ने बिहार की गरीबी, अनपढ़ता, पिछड़ेपन, पलायन आदि बुनियादी समस्याओं पर एक भी शब्द नहीं बोला। आयोजन को महाकुंभ नाम देकर इस शब्द का अपमान किया गया। बिहार में जो जंगलराज 20 साल पहले था, कमोबेश वह आज भी मौजूद है। इसी साल अभी तक 116 कत्ल किए जा चुके हैं। बलात्कार, डकैती, फिरौती आदि अपराधों को तो भूल ही जाएं। तब मुख्यमंत्री लालू यादव या राबड़ी देवी होते थे, बीते 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। सरेआम हत्याएं आज क्यों हो रही हैं? साधु-संतों के सरोकार सामाजिक भी होते हैं। यदि उन्होंने ऐसे मुद्दे भी छुए होते, तो विचार व्यापक लगते। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने जातीय गणना का भी विरोध किया।

यह आधुनिकता मानव को कहां ले जाकर छोड़ेगी?

आधुनिकता की मार्किटिंग के लिए जिन-जिन भी भारतीय जीवन पद्धतियों, शैलियों, गतिविधियों, कार्यक्रमों, दैनिक उपक्रमों, खानपान, रहन-सहन इत्यादि को निकृष्ट बताया गया था, आज आधुनिकता के मालिकों के लिए वही सब कुछ जीवन के अपेक्षित स्वास्थ्य के लिए जरूरी हो गया है। लेकिन इस चक्कर में भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के गांव उजड़ गए। वन-वनस्पतियां और पेड़-पौधे नष्ट हो गए। हरियाली पर कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए। आम आदमी के लिए पारंपरिक पुराने तौर-तरीकों से जीने-रहने की आदतें व सुविधाएं ही खत्म नहीं हुईं, बल्कि वैसी आदतों व सुविधाओं के अनुकूल वातावरण भी नहीं रहा। गांववासियों से जो जीवन छीना गया, उनसे जो ग्रामीण व्यवस्थाएं छीनी गईं, शहर में आम आदमी के रूप में मर-मर कर जीते हुए वो सब कुछ अब वे कहां से लाएंगे-जुटाएंगे।

विकेश कुमार बडोला

पता नहीं क्या सीख दी है विज्ञान ने कि निन्यानवे फीसदी अभिशाप होकर भी यह कुंठित बुद्धियों के लिए प्रगति की प्रेरणा बना हुआ है। पता नहीं क्या अंधियारा भरोसा दिया है आधुनिकता ने कि इसके द्वारा रोज-रोज हो रही तबाहियों-बर्बादियों के बाद भी अंग्रेजी फुसफुसाने वाला वर्ग इसे ही सब कुछ मान रहा है। आधुनिकता के घनचक्कर में लोगों को फांसने के लिए हमारे जिन गांवों को पिछड़ा बताया गया, आज आधुनिकता के नेतृत्वकर्ता अपनी अमीरी के बल पर चैन से जीने के लिए अपने लिए वैसे ही गांवों को बसाने की योजना बना रहे हैं। जिस चूल्हे की रोटी को गंदगी से सनी रोटी बता कर भारतीय ग्रामीणों को चूल्हे-चौके से अलग किया गया, आज वैसे ही चूल्हे-चौके से बनी रोटी अमरीका जैसे देशों में लग्जरी व महंगी खाद्य वस्तु बनी हुई है। हाथ से खींची जाने वाली जिस गाड़ी को भारतीय गरीबों पर अत्याचार बताकर उसे उनसे छुड़वा दिया गया था, आज आधुनिक जापान में वहां के युवा उसी गाड़ी में लोगों को बिठा उन्हें गंतव्य तक पहुंचाकर पैसा और रोजगार पा रहे हैं और साथ ही सुबह-सुबह की जॉगिंग व रनिंग भी गाड़ी चलाते हुए भागकर पूर्ण कर रहे हैं। कभी जिन पारंपरिक व प्राचीन भारतीय ग्रामीण खाद्यान्न व पेय पदार्थों को आधुनिकता बेचने की साजिश से गंदा और हीन साबित किया गया था, आज वही पेय व खाद्य पदार्थ आधुनिकवादियों के लिए स्वस्थ व संतुलित काया हेतु अमृत हो गए हैं। आज उनके लिए तो पैसों के दम पर ये पेय व खाद्य पदार्थ आसानी से उपलब्ध हैं, पर ये पदार्थ इतने महंगे हैं कि आम आदमी इन्हें खरीदने में पूरी तरह असमर्थ है।

आधुनिकता की मार्किटिंग के लिए जिन-जिन भी भारतीय जीवन पद्धतियों, शैलियों, गतिविधियों, कार्यक्रमों, दैनिक उपक्रमों, खानपान, रहन-सहन इत्यादि को निकृष्ट बताया गया था, आज आधुनिकता के मालिकों के लिए वही सब कुछ जीवन के अपेक्षित स्वास्थ्य के लिए जरूरी हो गया है। लेकिन इस चक्कर में भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के गांव उजड़ गए। वन-वनस्पतियां और पेड़-पौधे नष्ट हो गए। हरियाली पर कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए। आम आदमी के लिए पारंपरिक पुराने तौर-तरीकों से जीने-रहने की आदतें व सुविधाएं ही खत्म नहीं हुईं, बल्कि वैसी आदतों व सुविधाओं के अनुकूल वातावरण भी नहीं रहा। गांववासियों से जो जीवन छीना गया, उनसे जो ग्रामीण व्यवस्थाएं छीनी गईं, शहर में आम आदमी के रूप में मर-मर कर जीते हुए वो सब कुछ अब वे कहां से लाएंगे-जुटाएंगे। इसके विपरीत शहरों में आधुनिकता के मालिकों ने अपने लिए आज वैसी ही ग्रामीण सुविधाएं जुटा ली हैं, जो कभी उन्होंने गांव में रह रहे लोगों से ये दुष्प्रचार कर छुड़वा दी थीं कि तुम्हें ऐसे ही पुराने ढर्रे में जीना है क्या, कि तुम्हें तरक्की नहीं करनी है क्या। तथाकथित आधुनिकता और तरक्की के नाम पर अभी तक हुआ क्या है! मानवता खत्म हुई, रिश्ते-नाते व संबंध अस्वस्थ हुए। क्षणभंगुर जीवन के प्रति अंधा मोह बढ़ा है। इस अंधचक्र में हरेक व्यक्ति अपने पास कृत्रिम चीजों का ढेर लगा देना चाहता है। वह अकाट्य, अमिट व शाश्वत सत्य मौत की जानबूझ कर अनदेखी करता है और इस अनदेखे आचरण की आड़ में ऐसे-ऐसे काम करता है, जिनका बोझ उसकी आत्मा को धीरे-धीरे काटता रहता है। वह मशीनीकरण व आधुनिकता की काली-अंधेरी दौड़ में लक्ष्यहीन होकर, आखिर में खुद को बीमारियों से बुरी तरह मारने के लिए, दौड़ता रहता ह,दौड़ता रहा है। यह क्या है? इससे क्या होगा? इससे क्या सधेगा? दौड़ने वाली लोगों की भीड़ ये भी नहीं सोचती कि आधुनिकता और विकास के आधार पर दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति भी जब खुद को अमर-अजर नहीं कर पाए या कर पा रहे हैं, वे खुद को जब पूरी तरह स्वस्थ नहीं कर पा रहे, तो फिर ऐसे विकास का क्या अर्थ है। ऐसे विकास की क्या सार्थकता है। ऐसे विकास ने मनुष्य के लिए जीवन की अनुकूलता समाप्त कर दी। मनुष्य के जीवन, प्राणों, श्वासों और तन-मन-आत्मा के लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रकृति अति विकराल हो चुकी है। वह असंतुलन के विकृत चक्रों से गुजर रही है। किसी भी ऋतु में वह मनुष्य के लिए अनुकूल नहीं रही। प्राकृतिक असंतुलन, विकृति और विनाश का नवीनतम अग्रणी उदाहरण इस वर्षा ऋतु में हिमाचल प्रदेश का मंडी क्षेत्र बना हुआ है, जहां मेघ विस्फोट के कारण हुए वर्षण ने नगर, घर-द्वार, मनुष्य, पेड़-पौधों, पहाड़ों, वनों, गांव-घरों सबको उजाडकर शमशान कर दिया है। इस विनाश में 50 से अधिक लोगों की असमय व दुःखद मृत्यु हो गई। हिमालयी क्षेत्र का प्रदेश हिमाचल प्रायः हर वर्षा ऋतु में ऐसे विनाश का सामना करता है। बार-बार और कई माध्यमों से बोला जा रहा है कि भारत की सरकारें हिमालयी क्षेत्र में विकास की विनाशक गतिविधियां संचालित न करें, किंतु सरकारें विकास के लालच में पूरे हिमालयी स्थल का दुर्दोहन कर देना चाहती हैं। वे हर विनाश में मरे-खपे लोगों को अनुग्रह धनराशियां देने की घोषणाओं के माध्यम से भूल जाती हैं और फिर एक नए विनाश का तमाशा देखती हैं। यह चक्र विकास के लिए हिमालयी भूमि को पहली बार खोदने से लेकर अभी तक चला आ रहा है और न जाने कब तक चलता रहेगा। इन शब्दों के माध्यम से से प्रयास हो रहा है कि लोग कुछ घड़ी थम जाएं। वे कुछ पल रुककर सोचें।

भागमभाग, भागादौड़ी और अफरा-तफरी से खुद को अलग कर एकांत में कुछ समय गुजारें।

अपने आप को देखें, समझें और अपना परिचय प्राप्त करें। प्राकृतिक परिवेश में रहकर अपने आप से संवाद करें। अपने मन और आत्मा से जुडकर जीवन के ध्येय, उद्देश्य व लक्ष्य की पहचान करने का प्रयास करें। प्रतिदिन ऐसे आत्मचिंतन के लिए कुछ समय अवश्य एकत्र करें। इसके बाद स्वयं का साथ और प्रकृति का सहचर्य अच्छा लगेगा। अंदर-बाहर की दृष्टि बदलेगी। धैर्य, चैन, शांति और आत्मचिंतन की ललक बढ़ेगी। इस प्रकार जीवन के उद्देश्यहीन आधुनिक पक्ष और लक्ष्यहीन विकास यात्रा के प्रति अनिच्छा जाग्रत होगी। ऐसा होते ही दुनिया का कायाकल्प होना आरंभ हो जाएगा। दुनिया मानव के लिए जैसी होनी चाहिए, फिर वैसी ही सुंदर, स्वस्थ और प्राकृतिक हो जाएगी। फिर आपदाएं, मेघ विस्फोट के विनाशक वर्षण, भूस्खलन, भूकंपन, जलवायु असंतुलन इत्यादि अप्राकृतिक घटनाएं नहीं होंगी और मनुष्य अपने क्षणभंगुर जीवन को सुख-चैन से जी सकेगा। दुनिया के शक्तिशाली लोगों, कर्ताधताओं, शासकों, धन-संसाधन संपन्न लोगों को जीवन की क्षणभंगुरता का दैनिक विचार अवश्य करना चाहिए। वे यदि इस वैचारिक प्रवाह में स्थिर होंगे तो अवश्य ही अधिकतर सामान्य मनुष्यों के लिए जीवन प्राकृतिक रूप में संतुलित हो सकेगा। इस आधुनिक दुनिया को दैनिक विनाश से बचाने के लिए अब ऐसे शक्तिशाली लोगों को ही आगे आना होगा।

काशी के घाट और धमाल मचाते एआई बंदर

पिछले एक महीने में लगभग 50 से ज्यादा ऐसे अकाउंट्स इंस्टाग्राम पर शुरू हुए हैं, जिनमें बंदर को लेकर एआई निर्मित?वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा रीच बबलू एआई नाम के अकाउंट की है। कंप्यूटर की थोड़ी ठीक समझ, इंटरनेट और एआई टूल्स से थोड़ी बहुत पहचान की बदौलत कोई भी ऐसे वीडियो तैयार कर सकता है। सिर्फ बंदर ही नहीं, बल्कि इन्सानी ब्लॉगर्स के एआई निर्मित?कंटेंट वाले कई अकाउंट भी शुरू हो गए हैं। एआई ने इसे आसान बनाया है। डिजाइनिंग का जो काम 45 मिनट में होता था, अब उसमें 10 मिनट लगते हैं।

उपमिता वाजपेयी

बीते कुछ हफ्तों से अगर आपके सोशल मीडिया प्रोफाइल पर बंदरों के वीडियो कुछ ज्यादा ही कूदने लगे हैं, तो समझ लीजिए कि आपके एल्गोरिदम का तार्रुफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से हो चुका है। एआई द्वारा संचालित?वीलॉगर बंदर अपने क्रिएटिव कंटेंट की बदौलत काफी अच्छा ट्रैफिक और फॉलोइंग बटोर रहे हैं। इनमें काशी के घाट से लेकर, प्रयाग का गंगा स्नान और प्रेमानंद महाराज के दरबार से लेकर अबुंबाची का मेला भी है। यही नहीं, इसकी वैरायटी में ट्रैवल, धर्म, फूड के अलावा पहलगाम आतंकी हमले जैसे न्यूज कंटेंट भी मौजूद हैं। बिना किसी जगह पर जाए, बिना ऑन कैमरा चेहरा दिखाए सिर्फ तकनीक और क्रिएटिव कंटेंट की बदौलत तैयार ये वीडियो न्यू एज वी-लॉगिन्ग का अद्भुत ऑप्शन हैं।

बंदर के कैरेक्टर के जरिये 15-20 दिन में 30 हजार फॉलोवर्स वाला इंस्टाग्राम अकाउंट क्रिएट करने वाले आकाश उत्तर प्रदेश के हरदोई के रहने वाले हैं। वह बीटेक ड्रॉपआउट हैं। आकाश कहते हैं कि वह लंबे वक्त से एआई के जरिये एनिमेशन तैयार कर रहे थे। बंगलूरू के एक स्टार्टअप के लिए काम करते थे। फिर उन्होंने विदेशी क्रिएटर्स को जानवरों का इस्तेमाल कर वीलॉग बनाते देखा, तो तय किया कि भारतीय बाजार के लिए वह बंदर के कैरेक्टर का इस्तेमाल कर वीडियो तैयार करेंगे। आकाश कहते हैं कि उन्होंने सबसे पहला वीडियो बनारस के घाट का बनाया, जिसमें यह बंदर बनारस जाता है। चौथे वीडियो तक उनका अकाउंट हिट हो गया। इस वीडियो को अब तक 90 लाख लोग देख चुके हैं। उन्हें एक वीडियो बनाने में 5-6 घंटे लगते हैं। वह कहते हैं एआई से काम आसान हुआ है। लेकिन कंटेंट मजबूत नहीं होगा, तो उनके वीडियो कोई नहीं देखेगा। वह कंटेंट के लिए बाकायदा जांचते हैं कि आजकल हमारे आसपास क्या चल रहा है और कोशिश करते हैं कि कहानी इन्सानों की जिंदगी जैसी हो।

पिछले एक महीने में लगभग 50 से ज्यादा ऐसे अकाउंट्स इंस्टाग्राम पर शुरू हुए हैं, जिनमें बंदर को लेकर एआई निर्मित?वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा रीच बबलू एआई नाम के अकाउंट की है। कंप्यूटर की थोड़ी ठीक समझ, इंटरनेट और एआई टूल्स से थोड़ी बहुत पहचान की बदौलत कोई भी ऐसे वीडियो तैयार कर सकता है। सिर्फ बंदर ही नहीं, बल्कि इन्सानी ब्लॉगर्स के एआई निर्मित?कंटेंट वाले कई अकाउंट भी शुरू हो गए हैं। एआई ने इसे आसान बनाया है। डिजाइनिंग का जो काम 45 मिनट में होता था, अब उसमें 10 मिनट लगते हैं।

मन की गति और चंचलता

बाबा हरदेव

मन जीव का सब से महत्त्वपूर्ण और सूक्ष्म उपकरण है और इसका कार्य है सोचना। ये संकल्प भी करता है और विकल्प को भी जन्म देता है। बुद्धि मन के ही संकल्प-विकल्प की समीक्षा करती है और जीव को कर्म करने का निर्णय करने में सहायता प्रदान करती है। जिन महात्माओं का विश्वास है कि शरीर दो प्रकार के होते हैं। स्थूल (जड़) और सूक्ष्म (चेतन), वे फरमाते हैं कि मन का स्थान इन दोनों के बीच है और इसका झुकाव आमतौर पर जड़ शरीर की तरफ रहता है। मगर सद्गुरु की कृपा हो जाती है तो यही मन चेतन के साथ हो लेता है। अतः हजारों वर्षों से धार्मिक लोग मनुष्य को समझाते चले आ रहे हैं कि मन चंचल है और इसकी (मन की) चंचलता बहुत बुरी

प्रेरक प्रसंग

बात है। निःसंदेह मन चंचल है, लेकिन अगर आध्यात्मिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो मन की चंचलता कोई बुरी बात नहीं है, क्योंकि मन की चंचलता इसके जीवित होने का प्रमाण है। अब जहां जीवन है, वहां ह्यगतिह्न है और जहां जीवन नहीं है वहीं जड़ता है, वहां गति नहीं है। मानो मन की चंचलता मनुष्य के जीवित होने का लक्षण है जड़ होने का नहीं। लेकिन ये चंचलता पागलपन पर आधारित न हो, क्योंकि विक्षिप्त चंचलता शुभ नहीं होती, वो मन जो पागल की भांति भटकता है घातक है। हां! स्वयं गति घातक नहीं है, अतः महात्मा मन की गति और चंचलता के विरोध में नहीं है।

मन की जड़ता के खिलाफ जरूर है और विडंबना ये है कि साधारण मनुष्य अभी तक दो तरह की बातें ही जानता है या तो पागल मन की गति के बारे में या फिर किसी भी नाम को बार-बार रटने वाला या माला फेरने वाले आदमी की जड़ता को जानता है। इन दोनों के अतिरिक्त साधारण मनुष्य कोई तीसरी चीज नहीं जानता मन के संबंध में। यानी गतिमान चित सार्थकता आबद्ध चित के बारे में इसे कुछ पता नहीं होता है। अतः महात्मा फरमाते हैं कि मन ऐसा चाहिए कि गतिमान हो, लेकिन विक्षिप्त न हो। अब सवाल पैदा होता है कि ऐसा मन कैसे पैदा हो? इस संदर्भ में पहली बात तो यह है कि मन की चंचलता के प्रति मनुष्य में अत्याधिक विरोध का जो भाव है, वो उचित नहीं है और न ही अनुग्रहपूर्ण और न ही कृतज्ञतापूर्ण है, क्योंकि अगर मन गतिमान न हो और चंचल न हो तो हम को न मालूम किस कूड़े-कर्कट पर उलझा दें और इस सूरत में हमारा जीवन वहीं समाप्त हो जाए, लेकिन अगर सही मायनों में सोचा जाए

आपके पत्र

विमानन क्षेत्र में सुधार-समीक्षा की दरकार

हाल ही में अहमदाबाद हवाई अड्डे पर बोइंग विमान से जुड़ी एक घटना ने वैश्विक विमानन उद्योग, विशेषकर बोइंग की विश्वसनीयता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना न केवल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि तकनीकी दिग्गज बोइंग के विमान लगातार दुर्घटनाओं के घेरे में क्यों आते जा रहे हैं।

बोइंग विमान को लेकर उठ रहे प्रश्न केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह संपूर्ण विमानन प्रणाली, उसकी निगरानी और जवाबदेही पर सवाल खड़े करते हैं। नागरिक विमानन महानिदेशालय को चाहिए कि वह बोइंग विमानों की संपूर्ण सुरक्षा समीक्षा करवाए, पुराने मॉडलों की जांच कराए और तय करे कि तकनीकी संदिग्ध विमान को उड़ान से पहले दोबारा जांचा जाए।

मीनाक्षी, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

मुहर्रम जुलूस के दौरान विवाद,दो लोग घायल

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के एलसी रोड में मुहर्रम जुलूस निकालने के दौरान दो समुदायों के बीच बवाल हो गया। अचानक अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। लोग इधर-उधर भागने लगे इसी दौरान मुस्लिम समुदाय के एलसी रोड के रहने वाले नौरेज आलम किसी ने पैर पर गोली मार दी और यह बात आग की तरफ फैल गई।जिसके कारण जुलूस की भीड़ में भगदड़ मच गया।इसी दौरान जुलूस की भीड़ ने गुल्ली भट्टा के रहने वाले उदय सिंह को बेरहमी से पीठ डाला। हालांकि नौरेज आलम पैर में गोली लगी है यह स्पष्ट नहीं हो पाया और ना ही प्रशासन के द्वारा इसकी पुष्टि की गई डाक्टर भी स्पष्ट रूप से नहीं बता पाए की गोली लगने के कारण ही जख्म हुआ है। इधर उग्र भीड़ को संभालने के लिए पुलिस पदाधिकारी की फौज पहुंच गई और यथाशीघ्र जुलूस को जल्द से जल्द अपने गंतव्य स्थान पर ले जाने पर जोर दिया। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि सी रोड फौजी लाल के घर के सामने मुहर्रम का जुलूस का अखाड़ा मुस्लिम समुदाय के लोग खेल रहे थे इसी दौरान वहां पर विवाद किसी प्रकार का उत्पन्न हो गया और हो हंगामा होने लगा हो हंगामा देख लोग इधर-उधर भागने लगे। वहां पर मौजूद नौरेज आलम भी भागने लगे और गली के पास पहुंच गए इसी दौरान मौजूद नौरेज के अनुसार उन पर कोई गोली चल दिया वह गोली उसके पैर पर लगी और वह वहीं पर बैठ गए कभी कुछ लोगों ने पुलिस के सहयोग से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। इधर उग्र भीड़ को पुलिस वालों ने शांत करवाते हुए जुलूस को आगे बदहवाया। इधर उदय सिंह अपने लगाए गए टेंट की देखरेख के लिए रोड किनारे खड़े थे तभी जा रही जुलूस ने उदय को भीड़ में खींच लिया और जमकर उसकी पिटाई कर दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए ।वही इस घटना को लेकर थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्ष के लोगों ने अपनी अपनी बात को रखकर आवेदन दिया है मामले की छानबीन की जा रही है कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता सूची के संधारण में सभी पक्षों की सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी

साहिबगंज : भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निदेर्शानुसार मतदाता सूची की तैयारी एवं संशोधन की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा सुधार लाने के उद्देश्य से कार्यालय प्रकोष्ठ में अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।बैठक में आयोग के निदेर्शों के आलोक में यह जानकारी दी गई। मतदाता सूची की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को मतदान केन्द्रवार की नियुक्ति करने का अनुरोध किया है। इससे मतदाता सूची के संधारण में सभी पक्षों की सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी।अपर समाहर्ता ने जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि उनके जिला अध्यक्ष सचिव आगामी बैठक में ससमय भाग लेकर बीएल ओ एस की नियुक्ति की प्रक्रिया को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू एवं सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी से आग्रह किया गया कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष अभियान शुरू

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार झालसा, राँची के निदेर्शानुसार, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अखिल कुमार के मार्गदर्शन में साहेबगंज जिले में दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य जिले में दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उन्हें केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का पात्रता अनुसार लाभ दिलाना है।ताकि कोई भी दिव्यांग बच्चा सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे।जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि यह अभियान 06 जुलाई, 2025 से 20 जुलाई, 2025 तक चलेगा। उन्होंने पारा लीगल वॉलंटियर्स पीएलवी को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गांवों और प्रखंडों में जाकर दिव्यांग बच्चों की पहचान करें और उन्हें प्रमाण पत्र, उपकरण, शिक्षा, पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं जैसी सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करें।

अरविंद कुमार गुप्ता बने झारखंड प्रदेश प्रभारी

साहिबगंज : झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय ऊमर वैश्य महासभा की प्रथम बैठक सह स्वागत समारोह एलसी रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई.बैठक की अध्यक्षता साहिबगंज जिला समिति के संरक्षक भोलानाथ साह ने किया.इस अवसर पर झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय ऊमर वैश्य महासभा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी अरविंद कुमार गुप्ता ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासित जीवन शैली ही सफलता का मूल मंत्र है. चाहे छात्र जीवन हो,चाहे राजनीतिक जीवन हो या सामाजिक जीवन,व्यक्ति में अनुशासन,धैर्य एवं लगन हो तो सफलता निश्चित है.उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ऊमर वैश्य महासभा के द्वारा झारखंड प्रदेश के सभी जिलों में जिला समितियों का गठन शीघ्र ही किया जाएगा.साथ ही उन्होंने झारखंड के प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी ऊमर वैश्य एवं राष्ट्रीय प्रमुख उपाध्यक्ष रमेश चंद्र ऊमर वैश्य का आभार व्यक्त किया.सभापति भोलानाथ साह ने कहा कि यह बड़ा ही गर्व का विषय है कि अपने साहिबगंज जिले से प्रदेश का प्रभारी अरविंद गुप्ता को बनाया गया है.इनके अनुभवी हाथों से निश्चित ही समाज का उत्थान होगा.बैठक के उपरान्त साहिबगंज ऊमरवैश्य समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा एक स्वागत समारोह अयोजित कर अरविंद कुमार गुप्ता को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया.

स्वास्थ्य मंत्री ने किया राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 की सफलता को लेकर समीक्षात्मक बैठक

संवाददाता

देवघर : झारखंड सरकार के मंत्री, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, परिवार कल्याण, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, आपदा प्रबंधन विभाग डॉ0 इरफान अंसारी के अध्यक्षता में मंगलवार को राजकीय श्रावणी मेला, 2025 में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य सुविधा, खाद्य आपूर्ति व आपदा प्रबंधन को लेकर की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक देवघर परिसदन सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी/आपदा प्रबंधन/खाद्य सुरक्षा से संबंधित कार्यों से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को पीपीटी के माध्यम से तैयारी के बारे में बताया, जिसपर मंत्री ने पूर्णतः संतुष्टि जाहिर की। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा श्रावणी मेला के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की गई......

श्रावणी मेला के अवसर पर मंत्री स्वास्थ्य विभाग डॉ0 इरफान अंसारी द्वारा बैठक के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने अस्थायी चिकित्सालयों, प्राथमिक उपचार केंद्रों, एंबुलेंस व्यवस्था तथा दवाओं की उपलब्धता का निरीक्षण किया। स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की चिकित्सा सहायता में कोई कठिनाई न हो।

समीक्षा के दौरान मंत्री ने स्वच्छता, पीने के पानी की व्यवस्था तथा आपातकालीन चिकित्सा सुविधा की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

माननीय मंत्री जी द्वारा जानकारी दी गयी कि श्रावणी मेला में आगंतुक श्रद्धालुओं को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इस हेतु पूरे मेला क्षेत्र में 32 अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया गया है। इसके अलावे जिले के सभी सरकारी व निजी अस्पतालों में बेड की संख्या को बढ़ाया गया है। साथ ही पूरे मेला क्षेत्र में 41 एम्बुलेंसों को अलग-अलग जगहों पर रखा गया है एवं 160 डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति विभिन्न पालियों में की गई है। आगे उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला, 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले इस हेतु राज्य सरकार व जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। इस हेतु 300 स्पेशल तरह के दवाओं को मंगाया गया है, ताकि किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति से आसानी से निपटा जा सके। देवघर एम्स को पूरी तरह तैयारी में रहने को कहा गया है।

आपदा प्रबंधन एक जटिल व महत्वपूर्ण कार्य जिसे बेहतर तरीके से अंजाम दिया जाएगा : मंत्री

मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि श्रावणी मेला जैसे बड़े आयोजन में आपदा प्रबंधन एक जटिल और महत्वपूर्ण कार्य होता है। इस दौरान हमारा यह कर्तव्य बनता है कि यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम व सुरक्षित जलार्पण सुनिश्चित करा सके। राज्य सरकार व जिला प्रशासन श्रावणी मेला 2025 में आगंतुक श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा व किसी भी अप्रत्याशित घटना से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही इनके द्वारा यह भी जानकारी दी कि सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में एनडीआरएफ की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। जो किसी भी आपदा के परिस्थिति से निपटने हेतु तैयार रहेंगे।

समीक्षा बैठक में देवघर विधानसभा क्षेत्र के राष्ट्रीय जनता दल विधायक सुरेश पासवान, सारठ विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक उदय शंकर सिंह, जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक देवेन्द्र कुंवर, निदेशक अभियान (एन0एच0एम) शशी प्रकाश झा, एम डी कॉरपोरेशन अबु इमरान, पुलिस अधीक्षक अजीत पीटर डुंगडूग, उपविकास आयुक्त पियुष सिन्हा, एम्स देवघर के निदेशक सौरभ वार्ष्णेय, नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, सिविल सर्जन देवघर डॉ. युगल किशोर चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी श्री रवि कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला नजारत उप समाहर्ता, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के साथ-साथ संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

साहिबगंज के अमन को मिला बीएचयू में टैबलेट

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के कॉलेज रोड स्थित चैती दुर्गा मंदिर के निवासी अशोक कुमार एवं शोभा देवी के पुत्र अमन कुमार होली को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,वाराणसी में अध्ययन के दौरान टैबलेट प्रदान किया गया।यह वितरण राज्य सरकार की उच्च शिक्षा डिजिटल सशक्तिकरण योजना के तहत किया गया।अमन ने इसी वर्ष काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में परास्नातक पूर्ण किया है।वे अब तक दो बार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी की 'नेट' परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर चुके हैं।उनकी प्रारंभिक शिक्षा एनआरपी सेंटर एवं वर्ष 2018 में पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय, साहिबगंज से मैट्रिक,वर्ष 2020 में साहिबगंज महाविद्यालय के विज्ञान संकाय से इंटरमीडिएट और वर्ष 2023 में हिंदी साहित्य में स्नातक प्रथम श्रेणी से पूर्ण किया।अमन राष्ट्रीय सेवा योजना और ब्लड डोनेशन सोसायटी के सक्रिय स्वयंसेवक के रूप में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कई कार्यक्रमों में जिसमें 2021 में राष्ट्रीय एकीकरण शिविर अगरतल्ला व 2024 में राष्ट्रीय युवा महोत्सव नाशिक महाराष्ट्र तथा राज्य स्तरीय युवा महोत्सव

2023 रांची में जिले का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।2025 में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा नमामि गंगे में योगदान देने हेतु वाटर वाटर्स कैटेगरी में विशेष अतिथि के रूप में गणतंत्र दिवस परेड समारोह में शामिल हो चुके हैं तथा केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल द्वारा पुरस्कृत भी हो चुके हैं।हिंदी साहित्य से उनका जुड़ाव बचपन से ही रहा है।उनकी रचनाएँ अमर उजाला, साहित्यपीडिया और प्रतिलिपि जैसी ऑनलाइन पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।उन्होंने बनारस प्रवास पर आधारित एक संस्मरण ह्यबनारसीपनह्न भी लिखा है जो शीघ्र प्रकाशनाधीन है।उनकी इस उपलब्धि से साहिबगंज जिले में हर्ष का माहौल है और यह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।अमन ने बताया कि वे साहित्य के क्षेत्र में साहिबगंज भूमि उर्वर है पहले भी कई नामी साहित्यकार इस धरती ने दिए हैं। आज युवाओं में पढ़ने लिखने व कुछ नया और विशिष्ट रचने की क्षमता को जगाना होगा।मैं अपनी साहित्यिक प्रतिभा को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न रचनाकारों के श्रेष्ठ पुस्तकों पत्र-पत्रिकाओं के अध्ययन निरंतर करता हूं।उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने अभिभावकों परिवार के सदस्यों व समस्त गुरू जनों शुभचिंतकों व सुधी मित्रों को दिया।

मोहर्रम जुलुस के दौरान युवक को किया लहूलुहान लिखित शिकायत दर्ज

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : सोमवार को बरहरवा थाना क्षेत्र के झिकटिया निवासी युवक सुजल कुमार साह पिता-स्व.शंकर साह को मोहर्रम जुलुश के दौरान हथियार और लाठी से मार कर लहूलुहान कर घायल कर दिया।जिसको लेकर सुजल साह ने बरहरवा थाना में लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग है आवेदना नुसार उसने बताया कि सोमवार को रात्रि लगभग 8 बजे सब्जीमंडी अपना दुकान बंद कर अपने कुछ मित्रों के साथ वापस घर जा रहा था,उसी समय झिकटिया की ओर से मोहर्रम जुलुश आ रही थी ,जुलुश को आते देख सड़क किनारे पुरानी शांति सिनेमा हॉल के समीप खड़े हो गए अचानक जुलुश से से निककर

उस्मान शेख पिता-कुर्बान ग्राम-हरिजनटोला थाना बरहरवा और उसके दो साथी हथियार लाठी के साथ आकर धक्का देते हुए जातिसूचसक गाली देने लगे विरोध करने पर तलवार से मेरे सिर पर मारा जिससे मेरे सिर सिर से काफी खून बहने लगा और मैं बेहोश हो गया,बेहोशी की हालत में भी मुझे लाठियों से पीटने लगे,इस दौरान मेरे दोस्त को भी चोटे आई है।स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुँचाया गया।सिर पर काफी टाँके लगे है।पूरे शरीर में दर्द है।मामले को लेकर पुलिस ने उचित कार्यवाही का आश्वशन दिया है।

साहिबगंज महाविद्यालय में इग्नू की सत्रांत परीक्षा का सफल आयोजन

साहिबगंज : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू की जून 2025 सत्रांत परीक्षा का आयोजन साहिबगंज महाविद्यालय अध्ययन केंद्र 3605 में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई।जिसका निरीक्षण इग्नू क्षेत्रीय केंद्र देवघर से नियुक्त ऑब्जर्वर डॉ.मृदुला सिन्हा ने किया।परीक्षा केंद्र के केंद्राधीक्षक डॉ.ध्रूब ज्योति कुमार सिंह ने परीक्षा संचालन की देखरेख की और बताया कि प्रथम पाली में 13 विषयों की परीक्षा हुई,जिसमें कुल 76 परीक्षार्थियों में से 68 उपस्थित और 8 अनुपस्थित रहे।द्वितीय पाली में 221 परीक्षार्थियों में से 199 उपस्थित और 21 अनुपस्थित थे।परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुई।डॉ सिंह ने यह भी बताया कि इग्नू में जुलाई 2025 सत्र के लिए बीए,बीएससी, बीकॉम,बीसीए,मास्टर्स,डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सों में नामांकन प्रक्रिया जारी है !उन्होंने बताया की इच्छुक विद्यार्थी15 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन अथवा अध्ययन केंद्र पर संपर्क कर नामांकन करा सकते हैं।साथ ही कहा की इस संबंध मे अधिक जानकारी के लिए इग्नू अध्ययन केंद्र 3605,साहिबगंज महाविद्यालय संपर्क कर सकते है।

मेला के सफल संचालन के लिए सभी विभागों से आपसी समन्वय आवश्यक : डीसी

संवाददाता

दुमका : राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 के सफल आयोजन हेतु बासुकीनाथ मंदिर सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, पुलिस प्रशासन, संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी,पंडा समाज उपस्थित थे।

उपायुक्त श्री अभिजीत सिन्हा ने कहा कि श्रावणी मेला झारखंड राज्य का एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु बासुकीनाथ धाम पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि मेला के सफल संचालन हेतु सभी विभागों के बीच आपसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। जिला प्रशासन द्वारा मेला क्षेत्र में सभी आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कोई भी दुर्घटना न घटे।

उपायुक्त ने निर्देश दिया किसभी विभाग अपने-अपने अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करें।मेला क्षेत्र की स्वच्छता, पेयजल, बिजली, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, ट्रैफिक नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था इत्यादि पर विशेष ध्यान दिया जाए।कंट्रोल रूम, सहायता केंद्र एवं सूचना केंद्र की स्थापना समय पर सुनिश्चित हो।इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रांगण के कंट्रोल रूम से सीसीटीवी के माध्यम से संपूर्ण मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया।

पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि श्रावणी मेला में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने हेतु समुचित पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु निर्बाध एवं सुरक्षित रूप से जलार्पण कर सकें, यही हमारा उद्देश्य है। उन्होंने पंडा समाज एवं स्थानीय प्रशासन से सामूहिक सहयोग की अपेक्षा की।

बैठक के उपरांत उपायुक्त एवं अन्य अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में बन रहे आवासन केंद्र, टेंट सिटी, एवं टेंट अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की तथा निर्देश दिया कि सभी कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कर लिए जाएं।

श्रद्धालुओं के लिए मंदिर पट खुलने का समय व जलार्पण व्यवस्थाः

सोमवार एवं मंगलवारः

मंदिर का पट प्रातः 2:05 बजे खुलेगा।

श्रद्धालु पूरे दिन अर्घा के माध्यम से जलार्पण कर सकेंगे।

बुधवार से रविवारः

मंदिर का पट प्रातः 2:25 बजे खुलेगा।

श्रद्धालु जलार्पण प्रारंभ होने से लेकर प्रातः 8:00 बजे तक अर्घा से जलार्पण कर सकेंगे।

विश्राम पूजा के उपरांत एवं भीड़ नियंत्रित होने तक भी अर्घा से जलार्पण की व्यवस्था रहेगी।

श्रृंगार पूजाः

श्रावणी मेला की अवधि में श्रृंगार पूजा बंद रहेगी।

इन सभी व्यवस्था पर पंडा समाज एवं जिला प्रशासन के बीच सहमति बनी है। इस दौरान उप विकास आयुक्त,अनुमंडल पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

हीर एक्सप्रेस का गाना डोरे डोरे दिल पे तेरे रिलीज

हीर एक्सप्रेस का नया डांसिंग ट्रैक डोरे डोरे दिल पे तेरे मंगलवार को जी म्यूजिक कंपनी के जरिए रिलीज हो चुका है। इस गाने की खास बात इसकी चुलबुली रोमांटिक केमिस्ट्री, जहां एक ओर लडका प्यार से मनाने की कोशिश करता है, वहीं लडकी हंसी-ठिठोली में भाव खा रही है। यही मासूमियत और मस्ती इसे बाकी गानों से अलग बनाती है। रॉयल बर्कशायर (यूके) स्थित डिटन पार्क मैनर में फिल्माए गए इस गाने की हर फ्रेम में ग्लोबल स्टाइल और देसी दिल की झलक मिलती है। गाने में ढोल की बीट, फ्लर्टिंग बॉडी लैंग्वेज और एक ऐसी मॉडर्न, लेकिन दिल से जुड़ने वाली वाइब, जो हर उम्र के दर्शक को कनेक्ट करता है।

गीत को नक्श अजीज और हरजोत कौर ने गाया है, संगीत दिया तनिष्क बागची ने है और मस्ती से भरे बोल श्लोक लाल ने लिखे हैं। तीनों की जुगलबंदी ने इसे एक डांसिंग एंथम बना दिया है, जो शादी-ब्याह, कॉलेज फंक्शन्स और इंस्टाग्राम रील्स का नया फेवरिट बन सकता है। अगर इस गाने की असली रूह की बात करें, तो वह दिविता जुनेजा हैं। अपने डेब्यू में ही दिविता ने जिस आत्मविश्वास, मासूमियत और नेचुरल स्क्रीन प्रेजेंस से सबको चौंकाया है, वो काबिलेतारीफ है। उनका हर एक्सप्रेशन, हर डांस स्टेप किरदार में घुला नजर आता है, जैसे वह एक्टिंग नहीं, उस पल को जी रही हों। फिल्म हीर एक्सप्रेस आठ अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

59 की उम्र में सलमान खान ने शादी के लिए कहा 'हां'

बहनोई अतुल अग्निहोत्री को बर्थडे की बधाई देते हुए दिया इशारा

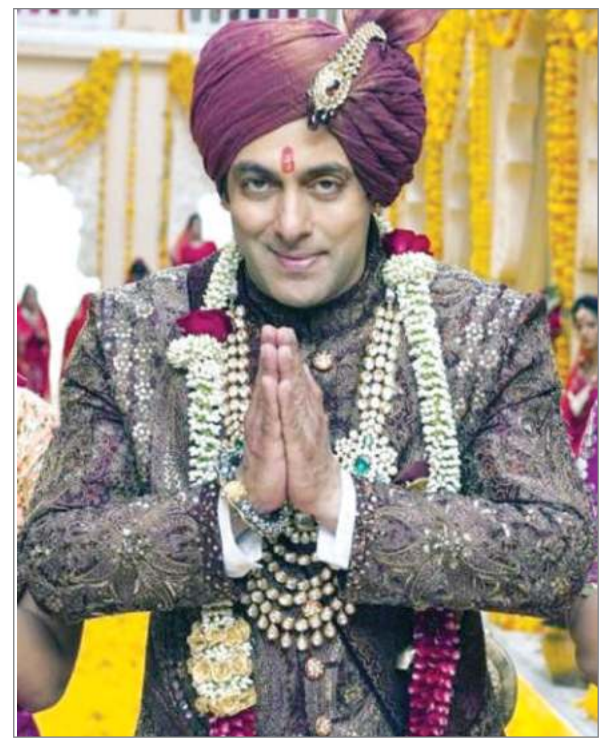

आखिरकार बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान ने शादी के लिए हां कह दी है। जी हां, हम मजाक नहीं कर रहे हैं। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने ये इशारा किया है कि वो शादी के लिए तैयार हैं। अगर आप सोच रहे हैं कि सलमान खान ने अपने पोस्ट में ऐसा क्या लिख दिया तो परेशान मत होइए हम आपको पूरी बात बताएंगे। दरअसल, 8 जुलाई को सलमान खान के जीजा अतुल अग्निहोत्री का बर्थडे था। अतुल अग्निहोत्रा ने सलमान खान की बड़ी बहन अलवीरा खान के पति हैं। सलमान खान ने अपने जीजा अतुल को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक अपने दिल की बात कही। सलमान खान ने इस पोस्ट में जीजा अतुल और बहन अलवीरा की एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें अतुल पत्नी अलवीरा के कंधे पर सिर रखे नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ सलमान खान ने लिखा- हैप्पी बर्थडे अतुल माई बिल यानि कि ब्रदर इन लॉ... आपका बहुत बहुत शुक्रिया कि आपने मेरी बहन का इतना ख्याल रखा। मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं। बेस्ट हसबैंड और पिता क्या तुम एक दिन के लिए वो इंसान बनोगे जिसको मैं जानता हूं। एक दिन मैं वो इंसान बनूंगा जो तुम हो... जाग जाओ भाई...

सलमान खान ने आखिर में जो लाइन लिखी है जिसमें उन्होंने कहा है कि वो एक दिन अतुल की तरह बनना चाहते हैं उसे पढ़ने के बाद लोगों को ऐसा लग रहा है कि भाईजान अब शादी के लिए तैयार हैं। अतुल की इमेज एक फैमिलीमैन की है जो परिवार का खास ध्यान रखते हैं। सलमान ने भी अपने पोस्ट में ये बात मानी है कि अतुल उनकी बहन का खूब ध्यान रखते हैं।

इंतजार हुआ खत्म, 'महावतार नरसिम्हा' का ट्रेलर कल वृंदावन होगा लॉन्च

महावतार नरसिम्हा सिनेमा की भव्यता को एक नया आयाम देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसकी ग्रैंडनेस, दमदार विजुअल्स और जबरदस्त कहानी ने पहले से ही दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। इस तरह से महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स के ऐलान के बाद अब जोश और भी ज्यादा है, क्योंकि महावतार नरसिम्हा का मचनवेटेड ट्रेलर कल रिलीज होने जा रहा है।

अवेटेड ट्रेलर का ग्रैंड लॉन्च अब तय हो गया है – कल शाम 5:22 बजे और वो भी पावन भूमि वृंदावन में। मेकर्स ने इस खास मौके की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा है।

आईसीसी ट्वेंटी-20 रैंकिंग में दीप्ति शर्मा का दबदबा, नंबर-1 की गद्दी से आठ अंक दूर

एजेंसी/ दुबईः भारतीय महिला टीम की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी वूमंस गेंदबाजों की टी-20 रैंकिंग में अब दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। वह अब नंबर-1 की गद्दी हासिल करने से सिर्फ आठ रेटिंग प्वाइंट दूर हैं। मंगलवार को आईसीसी की तरफ से जारी ताजा रैंकिंग में दीप्ति शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया की अन्नाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ते हुए दूसरा पायदान हासिल किया है। रैंकिंग में पाकिस्तान की सादिया इकबाल 746 रेटिंग प्वाइंट के साथ टॉप पर हैं। भारतीय महिला टीम की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को रैंकिंग में 11 पायदान का फायदा हुआ है और वह 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। रेणुका सिंह ठाकुर 706 अंकों के साथ छठे नंबर पर मौजूद हैं।

द हंड्रेड वूमंस टूर्नामेंट से वापस लिया नाम : दीप्ति शर्मा ने वर्कलोड मैनेजमेंट की वजह से वूमंस के द हंड्रेड टूनामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। वह इस टूर्नामेंट में लंदन स्पिरिट टीम का हिस्सा थी।

वीमेंस टी20 : आज भारतीय महिला टीम के पास सीरीज जीतने का मौका

लंदनः भारत को अगर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतनी है, तो कप्तान हरमनप्रीत कौर और शेफाली वर्मा को बुधवार को मैनचेस्टर में होने वाले चौथे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह ओवल में खेले गए तीसरे मैच में पांच रन की जीत के दौरान मेहमान टीम की कुछ कमजोरियों को उजागर किया था। शेफाली ने इस मैच में 25 गेंदों पर 47 रन और हरमनप्रीत ने 17 गेंदों पर 23 रन बनाए, लेकिन दोनों बल्लेबाज अपनी अच्छी शुरूआत का फायदा उठाने में नाकाम रही।

म्मंधाना, रोड्रिग्स और अमनजोत ने अब तक भारत की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभाली है और वे इन दो अनुभवी खिलाड़ियों से और अधिक सहयोग की उम्मीद करेंगे। शेफाली विशेषकर अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगी, क्योंकि आठ महीने बाद टीम में वापसी के बाद से वह बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं। जहां तक इंग्लैंड की बात है तो अगर उसे सीरीज बराबर करनी है, तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

आलिया भट्ट से 77 लाख की धोखाधड़ी, मां सोनी राजदान की शिकायत के 5 महीने बाद गिरफ्तार हुई एक्स मैनेजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट की पूर्व मैनेजर वेदिका प्रकाश शेट्टी को जुहू पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वेदिका प्रकाश शेट्टी को एक्ट्रेस संग धोखाधड़ी करने के आरोप में हिसारत में लिया गया है। आलिया की मां सोनी राजदान की शिकायत पर वेदिका के खिलाफ कुछ महीनों पहले मामला दर्ज किया गया था। वेदिका प्रकाश शेट्टी पर भट्ट के हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड और एक्ट्रेस के खातों से कथित तौर पर पैसे ठगने का आरोप है।

बताया जा रहा है कि करीब 5 महीने बाद आरोपी वेदिका को बेंगलूरु से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। वेदिका पर आरोप है कि उसने आलिया के फर्जी हस्ताक्षर करके दो साल में 77 लाख की धोखाधड़ी की है।वहीं आलिया या उनकी टीम ने अभी तक इस मामले के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया।

बता दें कि इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस को आलिया भट्ट ने 2021 में लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य रियल, टाइमलेस और वार्म और फजी कहानियों पर फोकस करते हुए हैप्पी फिल्में बनाना है। कंपनी की पहली फिल्म डार्लिंग्स थी जिसे शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ को-प्रोड्यूस किया गया था। इसमें आलिया भट्ट के साथ विजय वर्मा और शेफाली शाह थे और यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग कर रही है। आलिया के काम की बात करें तो वह फिलहाल अपनी स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा में बिजी है। इस फिल्म में शरवरी वाघ भी लीड रोल में हैं और यह 25 दिसंबर, 2025 को रिलीज होगी। इसके अलावा आलिया जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में अपने पति रणबीर कपूर के साथ फिर से नजर आएंगी। इस फिल्म में विक्की कौशल भी मुख्य भूमिका में हैं। इतना ही नहीं आलिया के पास फरहान अख्तर की जी ली जरा भी है। फिल्म में कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा भी मुख्य भूमिका में होंगी हालांकि अभी तक फिल्म की शूटिंग शेड्यूल पर कोई अपडेट नहीं है।

एक यादगार शो की धमाकेदार वापसी, क्योंकि सास भी कभी बहू थी का पहला प्रोमो हुआ जारी

मनोरंजन की दुनिया में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' भारतीय टेलीविजन की सबसे बड़ी विरासतों में से एक रही है। साल 2000 में शुरू हुआ यह शो सिर्फ प्राइम टाइम पर नहीं छाया, बल्कि करोड़ों भारतीय घरों के दिलों में अपनी खास जगह बना गया। यह सिर्फ एक डेली सोप नहीं था, बल्कि एक ऐसा जज्बा था जिससे पीढ़ियाँ जुड़ीं, एक ऐसा शो जिसने हर रात परिवारों को एक साथ बैठने का मौका दिया और तुलसी व विरानी परिवार को घर-घर का नाम बना दिया।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी ने छूआ था दर्शकों का दिलः जब भारतीय टेलीविजन अपनी पहचान बना रहा था, तब क्योंकि सास भी कभी बहू थी ने दर्शकों के दिलों को छू लिया। इस शो ने एक संयुक्त परिवार के रोजमर्रा के संघर्ष, खुशियाँ और भावनात्मक टकराव को बखूबी दशार्या। 25 साल बाद भी यह शो करोड़ों दिलों में अपनी खास जगह बनाए हुए है। अब एक बार फिर वही पुरानी यादें ताजा करने के लिए शो लौट रहा है और इसका पहला प्रोमो सामने आ चुका है, जो भावनाओं की नई परपंरा जोड़ते हुए इस विरासत को फिर से जिंदा करता है। एक बार फिर लौट रहा है आइकॉनिक शोः अब फिर लौट रहा है क्योंकि सास भी कभी बहू थी जैसा आइकॉनिक शो। एक बार फिर प्राइम टाइम की परिभाषा बदलने आ रही है ये कहानी। तुलसी यानी स्मृति ईरानी की वापसी हो रही है, और स्टार प्लस दोबारा ज़िंदा कर रहा है टीवी की सबसे यादगार विरासत। ये वही सीरियल है जिसने सालों तक लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई, और अब इतने सालों बाद फिर से आ रहा है धमाकेदार अंदाज में। एक बार फिर वही पुराना जादू, वही इमोशन्स क्योंकि सास भी कभी बहू थी फिर से बनने जा रहा है हर घर का हिस्सा।

इस ऐतिहासिक वापसी की कमान संभाली है एकता कपूर ने वही क्रिएटर जिन्होंने भारतीय टेलीविजन की दुनिया को बदल कर रख दिया था। उनकी कहानियां लोगों के दिल से जुड़ गईं, और उनके किरदार हर घर के सदस्य जैसे बन गए। अब एकता कपूर का क्योंकि सास भी कभी बहू थी को दोबारा लाना, भारतीय डेली सोप्स के सफर में एक बड़ा और यादगार मोड़ है, ऐसा मोड़ जो फिर से इतिहास रचने वाला है।

लार्ड्स टेस्ट में बुमराह की वापसी तय, वॉशिंगटन सुंदर की जगह इस खिलाड़ी को मौका

एजेंसी/ लंदनः एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 1-1 की बराबरी पर है। भारत ने बर्मिंघम टेस्ट को 336 रन से जीतकर वापसी की। इससे पहले भारत को लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने पांच विकेट से हराया था। पांच मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स में 10 से 14 जुलाई तक खेला जाएगा। क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले इस मैदान की पिच आमतौर पर तेज गेंदबाजों के लिए मददगार होती है, लेकिन पिछले महीने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के आखिरी तीन दिन बैटर्स को भी मदद मिली थी। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलियन बॉलर्स के खिलाफ तीन सेशन में 282 रन का टारगेट चेज करके वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का टाइटल जीता। 11 से 14 जून के बीच खेले गए इस मुकाबले के शुरूआती अढ़ाई दिन में तीन पारियां खत्म हो गईं। इसके बाद पिच बल्लेबाजी के लिए आसान होती गई। भारत-इंग्लैंड तीसरे टेस्ट के लिए भी इसी तरह के कंडीशंस देखने को मिल सकती हैं।

तीसरे टेस्ट मैच से पहले भारत ने पहले ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लिया। इस दौरान बुमराह काफी सकारात्मक दिखे और लगातार टीम के साथी खिलाडि?ों के साथ चर्चा करते नजर आए। उन्होंने नेट्स सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया है। उन्होंने करीब 45 मिनट तक गेंदबाजी की और फिर लेफ्ट ऑर्म स्पिनर और थ्रोडाउन विशेषज्ञ के साथ बल्लेबाजी अभ्यास भी किया।

बता दें कि भारतीय बैटिंग ऑर्डर में बदलाव की गुंजाइश न के बराबर है। ऑलराउंडर्स में स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की जगह शार्दुल ठाकुर को मौका दिया जा सकता है। पिछला मैच जीतने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट में जसप्रीत बुमराह के खेलने की पुष्टि की है। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा की जगह लाया जा सकता है। मोहम्मद सिराज दूसरे और आकाश दीप तीसरे पेसर होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्राजील का सर्वोच्च सम्मान

संवाददाता

ब्रासीलिया/नई दिल्ली: ब्राजील के राष्ट्रपति इनासियो लूला दा सिल्वा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस से सम्मानित किया। सम्मान स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील की सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे गहरे द्विपक्षीय संबंधों को समर्पित किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बहुआयामी भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी का प्रमाण।

राष्ट्रपति इनासियो लूला दा सिल्वा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री ने इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए ब्राजील की सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और इस पुरस्कार को भारत के 1.4 अरब लोगों और भारत-ब्राजील की गहरी दोस्ती और दोनों देशों के बीच मजबूत लोगों के बीच संबंधों को समर्पित किया। इससे पहले, ब्राजील के राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया था कि ब्रासीलिया में आपका स्वागत है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील आपकी यात्रा के लिए आभारी है। यह बैठक निश्चित रूप से हमारे देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक नया बढ़ावा देगी। प्रधानमंत्री कल ब्राजील की राजकीय यात्रा पर पहुंचे, जो लगभग छह दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है। इससे पहले वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए रियो डी जेनेरियो में थे।

प्रधानमंत्री मोदी का ब्राजील में राम भजन की मधुर धुनों के साथ किया गया भव्य स्वागत

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में राम भजन की मधुर धुनों के साथ भव्य स्वागत किया गया। रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील की राजकीय यात्रा शुरू की।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के विशेष निमंत्रण पर पीएम मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर गए हैं। जब पीएम मोदी ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस पहुंचे तो यहां राम भजन की विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ उनका स्वागत हुआ। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 2.48 मिनट का एक वीडियो साझा किया और लिखा, आधिकारिक वार्ता से पहले ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत राम भजन की विशेष प्रस्तुति के साथ किया गया। वीडियो में शास्त्रीय गायिका मीता रवींद्र कुमार कराहे प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में भक्ति गीत प्रस्तुत करती नजर आईं। इस दौरान राम भजन

की मधुर धुनों के साथ प्रधानमंत्री मोदी भी भजन का आनंद लेते दिखे। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ खड़े पीएम मोदी भजन सुनते हुए ताली बजा रहे थे। गीता रवींद्र कुमार कराहे ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री से मिली और उन्हें नमस्ते कहकर अभिवादन किया। मैंने कहा कि मैं अगले दिन उनके लिए गाने जा रही हूं। मुझे यह निमंत्रण ब्राजील सरकार की ओर से मिला था।

उन्होंने बताया कि ब्राजील के लोग व्यवहार और मेहमान नवाजी में भारतीयों जैसे हैं। उन्होंने कहा, अपनी मातृभूमि से दूर रहने के बावजूद ब्राजील दूसरा भारत जैसा लगता है।

शास्त्रीय गायिका मीता ने आईएएनएस को बताया, मैंने 10-11 साल की उम्र से ही शास्त्रीय संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी। ब्राजील सरकार की ओर से मुझे जो निमंत्रण मिला था, उसमें लिखा था कि राष्ट्रपति लूला चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के देश से कोई व्यक्ति उनके पसंदीदा भजन की प्रस्तुति दे।

मोदी का मंगलवार को राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने ब्रासीलिया स्थित अल्वोरादा पैलेस में गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी की यह यात्रा रियो डी जेनेरियो में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद शुरू हुई। अपनी बातचीत के दौरान इन नेताओं ने दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा को भारत और ब्राजील के बीच रणनीतिक साझेदारी का मुख्य वास्तुकार बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ब्राजील के नेता ने हमारे संबंधों को गहरा करनेह्न में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति लूला के साथ सार्थक बातचीत हुई, जो हमेशा भारत-ब्राजील मैत्री के प्रति भावुक रहे हैं। हमारी बातचीत में व्यापार संबंधों को गहरा करने और द्विपक्षीय व्यापार में विविधता लाने के तरीके शामिल थे। हम दोनों सहमत हैं कि आने वाले समय में इस तरह के संबंधों के पनपने की अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने राष्ट्रपति लूला के साथ अपनी बैठक की तस्वीरें भी साझा कीं। एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास और जलवायु परिवर्तन पर काबू पाना भी हमारी बातचीत में चर्चा के प्रमुख विषय थे। अन्य क्षेत्र जहां हम और भी अधिक निकटता से काम करेंगे, उनमें रक्षा, सुरक्षा, एआई और कृषि शामिल हैं। स्पेस, सेमीकंडक्टर और डीपीआई में भारत-ब्राजील सहयोग से हमारे लोगों को लाभ होगा। राष्ट्रपति लूला के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा, मैं रियो और ब्रासीलिया में गर्मजोशी से स्वागत के लिए अपने मित्र राष्ट्रपति लूला को धन्यवाद देता हूं। अमेजन की सुंदरता और आपकी आत्मीयता से हम बहुत प्रभावित हुए हैं। आज राष्ट्रपति की ओर से ब्राजील के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होना न सिर्फ मेरे लिए, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए बहुत गर्व और भावना का क्षण है। मैं इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति, ब्राजील सरकार और ब्राजील के लोगों को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति लूला भारत और ब्राजील के बीच सामरिक साझेदारी के मुख्य वास्तुकार हैं। उन्होंने हमारे संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके साथ हर मुलाकात ने मुझे दोनों देशों की प्रगति और भलाई के लिए और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है। मैं यह सम्मान भारत के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता और हमारी स्थायी मित्रता को समर्पित करता हूं।

भारत अमेरिका में मिनी ट्रेड डील फाइनल

बातचीत के दौरान हक के लिए अड़ा रहा हिंदुस्तान कृषि सहित कई क्षेत्रों को मिलेगी राहत

एजेंसी/ नई दिल्ली: भारत और अमेरिका के बीच एक अहम समझौता हुआ है। दोनों देशों ने व्यापार को लेकर एक सीमित समझौता किया है। एक बड़े सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी है। कई हफ्तों तक चली बातचीत के बाद यह समझौता हो पाया है। बातचीत के दौरान भारत अपनी मुख्य मांगों पर अड़ा रहा। अधिकारी ने कहा कि अगर अमरीका अड़ियल रहता तो हम टैरिफ के असर को झेलने के लिए तैयार थे। उन्होंने कहा कि लेकिन वाशिंगटन ने बातचीत करने की इच्छा दिखाई, जिससे समझौता आगे बढ़ सका। अभी समझौते की पूरी जानकारी नहीं मिली है, लेकिन इसे दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव को कम करने की दिशा में एक अच्छा कदम माना जा रहा है। उम्मीद है कि इस समझौते में कुछ खास क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा।

भविष्य में यह एक बड़े व्यापार समझौते का रास्ता खोल सकता है। इस डील के तहत अमरीका की कुछ मांगें मानते हुए भारतीय बाजार को मक्का और कुछ अमरीकी फलों के लिए खोला जा सकता है, वहीं भारत ने दो अप्रैल, 2025 को लगाए गए 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को स्थायी रूप से हटाने की अपनी शर्त को प्रमुखता दी। यह टैरिफ पहले 90 दिनों के लिए निलंबित किया गया था, जिसकी समयसीमा बुधवार रात खत्म हो रही है। माना जा रहा है कि डील की आधिकारिक घोषणा अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की जा सकती है। भारत और अमरीका के बीच व्यापार को लेकर लंबे समय से बातचीत जारी थी। इस समझौते से दोनों देशों के रिश्तों में सुधार आने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि भारत अपनी मांगों पर कायम रहा।

नुकसान झेलने के लिए तैयार था भारतः अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका नहीं मानता, तो भारत को नुकसान होता, लेकिन भारत इसके लिए तैयार था। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका अडियल रहता तो हम टैरिफ के असर को झेलने के लिए तैयार थे। अभी समझौते की पूरी जानकारी का इंतजार है, लेकिन माना जा रहा है कि इससे कुछ खास क्षेत्रों को फायदा होगा।

कूटनीतिक और आर्थिक जीतः यह डिवेलपमेंट भारत के लिए भी बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत है। कारण है कि यह उसे अमरीकी बाजार तक बेहतर पहुंच प्रदान करेगा। साथ ही उसके निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगा, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था चुनौतियों का सामना कर रही है। अब सभी की निगाहें विस्तृत घोषणा पर टिकी हैं ताकि यह पता चल सके कि किन खास क्षेत्रों को इस समझौते में शामिल किया गया है और इसके दीर्घकालिक निहितार्थ क्या होंगे।

बिहार में भाजपा सरकार बनाने के लिए काम कर रहा चुनाव आयोग : एसटी हसन

मुरादाबाद: बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची संशोधन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व सांसद एसटी हसन की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने चुनाव आयोग की तुलना भाजपा कार्यकर्ता से करते हुए कहा कि इलेक्शन कमीशन भाजपा सरकार बनाने के लिए काम कर रही है।

बिहार में मतदाता सूची संशोधन पर सपा नेता एसटी हसन ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, चुनाव आयोग सरकार के लिए काम कर रहा है। वे एक महीने के अंदर पूरा संशोधन कर देंगे। इसमें खास बात यह है कि हमारा आधार कार्ड, जिसकी हर जगह मांग होती है, यहां उसे स्वीकार नहीं किया जाता। आधार देखकर जो चीजें बनती हैं, वही मान्य हैं। यह कैसा न्याय है?

उन्होंने आगे कहा, आधार कार्ड को देखकर ही बाकी दस्तावेज बनते हैं, जैसे पासपोर्ट और राशन कार्ड समेत अन्य दस्तावेज, वो मान्य हैं। आधार कार्ड के अलावा जो लोग अपना जन्म प्रमाण पत्र देंगे और बताएंगे कि हम हिंदुस्तान में जन्मे हैं, उनमें से कितने गरीब लोग हैं, जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र भी नहीं है? ऐसे में उन्हें खुद का नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए अपने साथ-साथ अपने माता-पिता का भी जन्म प्रमाण पत्र देना होगा। मैं मानता हूं कि इलेक्शन कमीशन बिहार में भाजपा सरकार बनाने के लिए काम कर रहा है। ऐसा लगता है कि 2 करोड़ लोगों से वोट देने का अधिकार छीन लिया जाएगा और उनकी नागरिकता खत्म कर दी जाएगी। साफ तौर पर सरकार एनआरसी लागू करने का काम इलेक्शन कमीशन के माध्यम से कर रही है।

बता दें कि कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी समेत इंडिया ब्लॉक के घटक दलों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के चुनाव आयोग के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 3 जुलाई को निर्वाचन सदन में ईसीआई अधिकारियों से मुलाकात की थी और इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह समान अवसर के सिद्धांत का गंभीर उल्लंघन होगा।

प्रयागराज में बड़ा हादसा, पानी भरे गड्ढे में मिली चार मासूम बच्चों की लाश, एक दिन पहले से थे लापता

मेजा (प्रयागराज) : मेजा इलाके के बेदौली गांव से लापता चार मासूम बच्चों की बुधवार सुबह घर से कुछ ही दूरी पर पानी भरे गड्ढे में लाश उतराती हुई मिली तो सनसनी फैल गई। चारों बच्चों में दो भाई-बहन हैं। बाकी दो पड़ोसी हैं। सूचना पर मौके पर एसीपी मेजा एसपी उपाध्याय के साथ मेजा थाना अध्यक्ष राजेश उपाध्याय पहुंच गए। चारों बच्चों के शव को पहले सीएचसी रामनगर ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। घर में कोहराम मचा हुआ है। मेजा थाना क्षेत्र के बेदौली गांव के आदिवासी बस्ती के ज्यादातर लोग गांव में स्थित ईंट भट्ठा या मनरेगा में मजदूरी का काम करते हैं। उनकी बस्ती के पास ही ईंट भट्ठा संचालित होता है। ईंट भट्ठा संचालक द्वारा मिट्टी निकालने के चक्कर में बड़ा गड्ढा कर दिया गया है। जिसमें बारिश का पानी भरा हुआ है। मंगलवार शाम तीन बजे बस्ती के लोग मनरेगा के काम में चले गए थे। शाम पांच जब बस्ती के लोग घर आए तो हीरा आदिवासी का बेटा हुनर (5), हीरा आदिवासी की बेटी वैष्णवी (3), संजय आदिवासी का बेटा खेसारी लाल (5) और विमल आदिवासी का बेटा कान्हा (5) वर्ष घर से लापता थे। इन चारों बच्चों की खोजबीन पूरी बस्ती के लोग काफी देर तक किए लेकिन कुछ भी पता नहीं चल सका। मेजा पुलिस ने रात में ही चारों बच्चों के लापता होने पर गुमशुदगी दर्ज कर खोजबीन शुरू की थी, लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। बुधवार सुबह छह बस्ती के लोगों की निगाह ईंट भट्ठा के बगल पानी भरे गड्ढे पर गई तो वहां पर चारों मासूम बच्चों की लाश उतरती हुई दिखी। ऐसे में सनसनी फैल गई। घर में कोहराम मच गया। बस्ती के लोगों ने चारों बच्चों की उतराती हुई लाश को बाहर निकाल लिया। सूचना पर एसीपी मेजा, एसडीएम मेजा सुरेंद्र प्रताप यादव सहित कई थानों की फोर्स पहुंच गई।

वैश्विक स्तर पर 2023-24 के बाद सबसे गर्म महीना रहा जून, सीउएस की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली : वैश्विक स्तर पर 2023 और 2024 के बाद जून सबसे गर्म महीना रहा। यह जानकारी यूरोपीय संघ की ओर से वित्त पोषित कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने बुधवार को दी। सी3एस ने अपने मासिक मौसम बुलेटिन में कहा कि जून में वैश्विक स्तर पर सतही वायु तापमान औसतन 16.46 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991-2020 के दौरान इसी महीने के औसत से 0.47 डिग्री अधिक और 1850-1900 के स्तर से 1.3 डिग्री ज्यादा है।

इस महीने के लिए यूरोप का औसत तापमान 18.46 डिग्री रहा और इस तरह से इस साल का जून महीना यूरोप के लिए पांचवां सबसे गर्म जून रहा। पश्चिमी यूरोप में अपने अब तक के सबसे गर्म जून महीने में औसत तापमान 20.49 डिग्री रहा है। यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट में जलवायु के लिए रणनीतिक प्रमुख सामंथा बर्गेस ने कहा, जून 2025 में पश्चिमी यूरोप के बड़े हिस्से में असाधारण लू का प्रभाव देखने मिला। अधिकांश क्षेत्र में भीषण गर्मी ने लोगों को परेशान किया। भारत-अमरीका में मिनी ट्रेड डील फाइनल, कृषि सहित कई क्षेत्रों को मिलेगी राहत।

भारत बंद आज

25 करोड़ से अधिक कामगार करेंगे राष्ट्रव्यापी हड़ताल, रेलवे-बस, बैंकिंग से लेकर बिजली सेवाएं होंगी प्रभावित

नई दिल्ली: देशभर की 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच ने आज, 9 जुलाई 2025 को भारत बंद का आह्वान किया है। इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल में 25 करोड़ से अधिक कामगारों के शामिल होने का अनुमान है। आंदोलन में बैंकिंग, बीमा, डाक, कोयला खनन, बिजली और निर्माण क्षेत्र के कर्मचारियों के साथ-साथ किसान और ग्रामीण मजदूर भी हिस्सा ले रहे हैं।

ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की महासचिव अमरजीत कौर ने बताया कि यह हड़ताल केंद्र सरकार की श्रम-विरोधी और किसान-विरोधी नीतियों के खिलाफ है। यूनियन का आरोप है कि सरकार की आर्थिक और नीतिगत दिशा मजदूरों और किसानों के अधिकारों को लगातार खत्म कर रही है।

किन क्षेत्रों पर दिखेगा असर?

:

बैंकिंग सेक्टर: बैंक यूनियनों ने बंद में शामिल होने की पुष्टि की है। हालांकि बैंकों में कोई आधिकारिक अवकाश घोषित नहीं है, लेकिन सेवाएं बाधित हो सकती हैं।

सीमा क्षेत्र: बंगाल प्रांतीय बैंक कर्मचारी संघ के अनुसार, बीमा कंपनियों के कर्मचारी भी हड़ताल में भाग ले सकते हैं।

बिजली क्षेत्र: लगभग 27 लाख बिजली कर्मियों के हड़ताल में शामिल होने से बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है।

रेलवेः रेलवे सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहेंगी, हालांकि हड़ताल के चलते कुछ स्थानों पर देरी हो सकती है।

पब्लिक ट्रांसपोर्टः सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर हड़ताल का असर पड़ सकता है।

शिक्षण संस्थान: स्कूल और कॉलेज खुले रहेंगे, क्योंकि कोई सरकारी अवकाश घोषित नहीं किया गया है।

क्या हैं मुख्य मांगे?

- देश में बढ़ती बेरोजगारी पर नियंत्रण
- मनरेगा में काम के दिन और मजदूरी बढ़ाना
- सभी क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के अवसर सृजित करना ।

भारत सबसे बड़े ऑफशोर एनर्जी प्रयासों के साथ 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक एरिया में एक्सप्लोरेशन के लिए तैयार

नई दिल्ली: केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि दुनिया के सबसे बड़े ऑफशोर एनर्जी एक्सप्लोरेशन प्रयासों में से एक के रूप में, भारत ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम (ओएएलपी) के दसवें दौर के तहत 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक एरिया में एक्सप्लोरेशन करने के लिए तैयार है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हम ऊर्जा के एक नए युग में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं! ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन और

उत्पादन के क्षेत्र में अब कोई बाधा नहीं, केवल संभावनाएं हैं।

इस संबंध में, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने नॉर्वे के बर्गेन में ऑफशोर एनर्जी क्लस्टर की एक बैठक में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नो गो एरिया पर लिया गया साहसिक निर्णय न केवल देश की ऊर्जा क्षमता को बढ़ा रहा है, बल्कि भारत को ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़े बदलाव का नेतृत्व करने के लिए भी तैयार कर रहा है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने बीडब्ल्यू-एलपीजी के सीईओ क्रिस्टियन सोरेनसेन से भी मुलाकात की। यह एलपीजी वेसल की दुनिया की अग्रणी ऑनर और ऑपरेटर कंपनी है, जिसके पास 40 लाख सीबीएम से अधिक की कुल वहन क्षमता वाले वेरी लार्ज गैस कैरियर (वीएलजीसी) हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा, यह कंपनी एलपीजी शिपिंग में अग्रणी कंपनियों में से एक है, जो भारत में एलपीजी आयात का 20 प्रतिशत हिस्सा है। नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में हुई हमारी बैठक में, हमने बीडब्ल्यू-एलपीजी और भारतीय ऊर्जा कंपनियों के बीच सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इस बीच, ओएएलपी के तहत पेश किए जा रहे तेल और गैस ब्लॉकों ने पहले ही वैश्विक और घरेलू ऊर्जा कंपनियों का ध्यान आकर्षित किया है और दसवें दौर से भागीदारी और निवेश के लिए नए मानक स्थापित होने की उम्मीद है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने तेल और गैस क्षेत्र को गति देने के देश के फोकस के तहत पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियमों के ड्राफ्ट, मॉडल रेवेन्यू शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट (एमआरएससी) और पेट्रोलियम लीज पर 17 जुलाई, 2025 से पहले प्रतिक्रिया और सुझाव आमंत्रित किए हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

लगातार बारिश से घर हुआ जमींदोज

बानो : प्रखंड अंतर्गत कनारोंवा पंचायत के ग्राम जारकेल में लगातार हो रही बारिश के कारण सरोज देवी पति भीम बड़ाईक का घर रात के समय ढह गया। घर में कुल तीन लोग रहते थे सरोज देवी व उनके बेटा बेटी उसी घर में रोज सोते थे। पर किस्मत कहे या भगवान की कृपा रात में वे मिट्टी का पुराना मकान में सो गए इसी दरम्यान लगातार हो रहे बारिश के कारण अलवेस्टर के बने घर जमींदोज हो गया। आपको बताते चले कि सरोज देवी का पीएम आवास लिस्ट में नाम भी है। और पहला किश्त का पैसा भी बैंक खाते में आ चुका है। दूसरी घटना जारकेल खास निवासी जीतू बड़ाइक का भी मिट्टी का घर लगातार बारिश के कारण घर का छापर ढह गया है। परिवार में निसंतान जीतू बड़ाइक और उनकी पत्नी रहते है। तीसरी घटना जराकेल खास निवासी विष्णु बड़ाइक की है जिसका गोहार घर (गोशाला) लगातार बारिश से जमींदोज हो गया है। उक्त घटना की जानकारी ग्राम सचिव रामचंद्र बड़ाइक ने मुखिया को दी एवं ग्रामीणों के साथ क्षति का निरीक्षण किया गया।

जिला जनसंपर्क कार्यालय ने सहारा निवेशकों से संबंधित सूचना साझा की

सिमडेगाः झारखण्ड राज्य के सहारा ग्रुप की विभिन्न मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटियों में निवेश किये निवेशकों/जमाकत्ताओं को सूचित किया जाता है कि सहारा ग्रुप की विभिन्न मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटियों में निवेशित राशि के भुगतान से संबंधित जानकारी निदेशक, वित्त विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक सां०वि०-ठइत्रछ-08/2019-265 दिनांक 12.06.2025 के आलोक में प्राप्त हुई है। उील्ल३१' फ्ीर२३११ उङ्ग-ङ्क्त्री१३५ी रङ्की३८, नई दिल्ली द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि राज्य के जिन जमाकत्ताओं के दावों में त्रुटियाँ पाई गई थीं, वे अपने दावों को पुनः जमा कर सकते हैं। ऐसे जमाकत्ताओं से अनुरोध है कि वे अपना दावा पुनः पोर्टल पर दिनांक 31.12.2025 तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। यह प्रक्रिया उन निवेशकों के लिए है जिनका भुगतान 31.03.2025 तक लंबित है या जिनके दावे पूर्व में अमान्य कर दिए गए थे। सभी संबंधित निवेशकों से समय-सीमा का पालन करने का आग्रह किया जाता है।

अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूकता लाना संघ का उद्देश्य है

साहिबगंज : मंगलवार को नूना जोर चौक के नजदीक कपिल देव यादव मकान के समीप झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक जिला समिति के गठन को लेकर बैठक हुई।बैठक की अध्यक्षता कपिल देव यादव ने की।इस बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव एवं केंद्र उपाध्यक्ष फूलकुमारी देवी उपस्थित हुई।संगठन को मजबूत बनाने और विस्तार को रामदेव यादव को झारखंड मजदूर संघ प्रजा०का गोड्डा का जिला अध्यक्ष मनोनयन किया गया।वही उपस्थित सदस्यों ने रामदेव यादव को माला पहनाकर स्वागत किया।वही बैठक को सम्बोधित करते हुए संगठन के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को संगठित करना इनके अधिकार की रक्षा के लिए जागरूकता लाना संघ का उद्देश्य है।साथ ही कहा की क्षेत्र में किसी भी मजदूरों को अगर कोई परेशानी हो तो वह बेझिझक संगठन की बैठक में रखें।ताकि आपकी बातों को जिला प्रशासन को अवगत करा सके।बैठक मे मनीष राय,अजीत कुमार यादव,अजय यादव,कर्मचारी मांझी,प्यारी मुर्मू,सिकंदर टुडू,कपिल देव यादव आदि मौजूद थे।

कर्मचारी को हटाने से हमलोगों के परिवार के भरण पोषण करने वाला कोई नहीं है

साहिबगंज : झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन जेएसबीसीएल के द्वारा संचालित शराब दुकान मे कार्यरत कर्मियों को बिना सूचना के सभी कर्मचारियों की अचानक सेवा समाप्त करने के बाद सभी कर्मचारी मंगलवार को उत्पाद कार्यालय के सामने जमकर हंगामा किया।जहां प्राइवेट कर्मचारी सुनील यादव,जोगिंदर प्रसाद गुप्ता सहित अन्य लोगों ने बताया कि हमलोग साहिबगंज जिला के शिक्षित बेरोजगार युवा है।झारखंड उत्पाद नियमावली 2025 के अंतर्गत झारखंड राज्य के खुदरा उत्पाद दुकानों के संचालन हेतु हमलोगों को रखा गया था जिसमें हमलोग लगभग 3 सालों से कार्य करते चले आ रहे थे।हमलोगों को मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोवस्ती व संचालन के लिए 3 वर्ष का अनुभव है।वर्तमान में हमलोगों को नौकरी से हटा दिया गया है और बिना अनुभव वाले लोगों को मदिरा के खुदरा बिक्री हेतु व दुकानों के संचालन के लिए रखी जा रही है।जो कानुन न्यायसंगत नहीं है।उनलोगो ने कहा की पहले से कार्यरत कर्मचारी को हटाने से हमलोगों के परिवार के भरण पोषण करने वाला कोई नहीं है।और 7 माह से हमलोगों को वेतन भी नहीं मिला है,जिससे हमारे परिवार की स्थिति काफी दयनिय हो गई है। हमलोगों के परिवार के भरण पोषण का एकमात्र साधन यही था।वही उत्पाद अधीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि सरकार के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है।वही उन लोगो ने साहिबगंज उपायुक्त को आवेदन देकर कहा की हमलोगो का अनुभव के आधार पर उक्त मदिरा खुदरा उत्पाद के संचालन के लिए फिर से बहाल करने की मांग की है।मौके पर पवन घोष रामधनी चौधरी,मुकेश मंडल,अनिल यादव,कंचन मंडल पंकज यादव,गोपी कुमार पासवान,विष्णु कुमार साह,धनजय कुमार,धर्मवीर प्रसाद, मुकेश मण्डल रविकांत साह,धर्मयुग यादव,धर्मवीर यादव,प्रमोद गुप्ता,बंटी कुमार गुप्ता,चंदन कुमार साह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पातु टोला में 63 केवीए के नए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड की उत्तर पलाशगाछी पंचायत अंतर्गत पातु टोला गांव में मंगलवार को 63 केवीए का नया ट्रांसफॉर्मर लगाया गया। जिससे ग्रामीणों को बिजली संकट से बड़ी राहत मिली। नए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य अखलाकुर रहमान प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली और सचिव विश्वजीत मंडल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।जानकारी के अनुसार, पातु टोला गांव में पहले 25 केवीए का ट्रांसफॉर्मर लगा हुआ था। क्षेत्र में बढ़ती बिजली की मांग और क्षमता से अधिक लोड होने के कारण यह ट्रांसफॉर्मर अक्सर तकनीकी समस्याओं से जूझ रहा था। पिछले कई दिनों से ट्रांसफॉर्मर खराब होने की वजह से पूरा गांव भीषण गर्मी और अंधेरे में रहने को मजबूर था। बिजली की अनुपलब्धता के कारण बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और घरों में बिजली से चलने वाले उपकरण भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे।जिससे दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। इस गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और झामुमो प्रतिनिधियों ने विधायक से संपर्क कर 63 केवीए का ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग की थी। विधायक ने ग्रामीणों की समस्या पर त्वरित संज्ञान लेते हुए तत्काल पहल करते हुए गांव में नया ट्रांसफॉर्मर लगा दिया गया है। ग्रामीणों ने विधायक के इस प्रयास के लिए उनका आभार प्रकट किया है। मौके पर यासीन शेख सावन शेख, गोपाल ठाकुर और अशरफ शेख सहित कई अन्य झामुमो कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

डीआईजी ने किया बालूमाथ एसडीपीओ कार्यालय व चंदवा थाना का औचक निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था पर दिए निर्देश

बिनय मिश्रा

पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम ने मंगलवार की सुबह लातेहार जिले के बालूमाथ में स्थित एसडीपीओ कार्यालय और चंदवा थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय और थाना परिसर में चल रही कार्यप्रणाली, लंबित मामलों की स्थिति और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की।

एसडीपीओ कार्यालय में व्यवस्थाओं की समीक्षा

डीआईजी ने बालूमाथ एसडीपीओ कार्यालय में कर्मियों की उपस्थिति, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और कार्यालय प्रबंधन को लेकर संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास योजनाएं समय पर लागू हों, यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।

चंदवा थाना में हाजत, साफ-सफाई और रिकॉर्ड की जांच

इसके बाद उन्होंने चंदवा थाना का निरीक्षण किया, जहां हाजत में बंद एक अभियुक्त को बाहर निकालकर उससे घटना के संबंध में पूछताछ की। थाना परिसर की साफ-सफाई, दैनिक ड्यूटी रजिस्टर, आगंतुकों के लिए बैठने की व्यवस्था, बिजली-पानी की सुविधा, और केस रिकॉर्ड जैसे विषयों की गहन समीक्षा की गई। थाना प्रभारी रणधीर कुमार से मिली जानकारी के आधार पर उन्होंने कहा कि थाने की व्यवस्था संतोषजनक है और पदाधिकारी बेहतर ढंग से कार्य कर रहे हैं।

डीआईजी

निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने कहा कि पुलिस अपनी जिम्मेदारियां गंभीरता से निभा रही है, लेकिन औद्योगिक क्षेत्रों में काम कर रही कंपनियों को भी सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार कंपनियों के बड़े अधिकारी रांची या बाहर रहते हैं, जबकि स्थानीय स्तर पर कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं होती। ऐसे में सिर्फ पुलिस पर निर्भर रहना उचित नहीं है। कंपनियों को चाहिए कि वे निजी सुरक्षा गार्ड रखें और आपसी समन्वय बनाए रखें।फूलबसिया कोल साइडिंग में सुरक्षा की समीक्षा

निरीक्षण के बाद डीआईजी नौशाद आलम ने बालूमाथ के फूलबसिया स्थित रेलवे कोल साइडिंग का दौरा किया। हाल के दिनों में यहां हुई गोलीबारी और आगजनी की घटनाओं को लेकर उन्होंने सुरक्षा स्थिति की जांच की और पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराधियों की पहचान कर शीघ्र कार्रवाई करें और साइडिंग क्षेत्र में लगातार निगरानी रखें। निरीक्षण के दौरान कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी डीआईजी के साथ मौजूद थे।

श्रावणी मेला के सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने की बैठक

बिनय मिश्रा

देवघर,उपायुक्त ने कहा कि श्रावणी मेला झारखंड राज्य का एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु बासुकीनाथ धाम पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि मेला के सफल संचालन हेतु सभी विभागों के बीच आपसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। जिला प्रशासन द्वारा मेला क्षेत्र में सभी आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कोई भी दुर्घटना न घटे।

उपायुक्त ने निर्देश दिया किसभी विभाग अपने-अपने अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करें।मेला क्षेत्र की स्वच्छता, पेयजल, बिजली, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, ट्रैफिक नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था इत्यादि पर विशेष ध्यान दिया जाए।कंट्रोल रूम, सहायता केंद्र एवं सूचना केंद्र की स्थापना समय पर सुनिश्चित हो।इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रांगण के कंट्रोल रूम से सीसीटीवी के माध्यम से संपूर्ण मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया।

पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि श्रावणी मेला में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने हेतु समुचित पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु निर्बाध एवं सुरक्षित रूप से जलार्पण कर सकें, यही हमारा उद्देश्य है। उन्होंने पंडा समाज एवं स्थानीय प्रशासन से सामूहिक सहयोग की अपेक्षा की।बैठक के उपरांत उपायुक्त एवं अन्य अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में बन रहे आवासन केंद्र, टेंट सिटी, एवं टेंट अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की तथा निर्देश दिया कि सभी कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कर लिए जाएं।श्रद्धालु पूरे दिन अर्घा के माध्यम से जलार्पण कर सकेंगे, बुधवार से रविवार, मंदिर का पट प्रातः 2 बजकर 25 मिनट पर खुलेगा।श्रद्धालु जलार्पण प्रारंभ होने से लेकर प्रातः 8 बजे तक अर्घा से जलार्पण कर सकेंगे।विश्राम पूजा के उपरांत एवं भीड़ नियंत्रित होने तक भी अर्घा से जलार्पण की व्यवस्था रहेगी,

श्रावणी मेला की अवधि में श्रृंगार पूजा बंद रहेगी,इन सभी व्यवस्था पर पंडा समाज एवं जिला प्रशासन के बीच सहमति बनी है,इस दौरान उप विकास आयुक्त,अनुमंडल पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

फरार बाल बंदी मामले में पांच पुलिसकर्मी निलंबित

संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा स्थित बाल संरक्षण गृह से 6 बाल बंदियों के फरार होने मामले में कार्रवाई करते हुए पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।जानकारी देते हुए एसपी एम अर्शी ने बताया कि सिमडेगा स्थित बाल संरक्षण गृह से 06 जून की देर रात छह बाल बंदी दीवार फांद कर फरार हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने कांड संख्या 76/ 2025 के तहत मामला दर्ज करते हुए सीडीपीओ बैजू उरांव और डीएसपी हेड क्वार्टर रणवीर सिंह की अगुवाई में एक टीम का गठन किया। पुलिस की इस टीम ने अथक प्रयास करते हुए फरार 6 बलबंदियों में से चार को रिकवर कर लिया है। दो और की तलाश की जा रही है। बाल संरक्षण गृह से 6 बाल बंदियों का भागना निश्चित रूप से बाल संरक्षण गृह के सुरक्षा में चूक दशार्ता है। सिमडेगा पुलिस ने सुरक्षा में चूक होने के आरोप में 01 हवलदार और 04 आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ हीं बाल संरक्षण गिरी के प्रतिनियुक्ति पदाधिकारी से भी स्पष्टीकरण मांगी गई है। एसपी ने बताया कि घटित घटना पर डीसी सिमडेगा के द्वारा डीडीसी सिमडेगा की अध्यक्षता में एक जांच टीम भी बनाई गई है। जिसमें एसडीओ, डीएसपी और सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक शामिल है। यह टीम तीन दिनों के अंदर दोषी और लापरवाह व्यक्तियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए जांच प्रतिवेदन समर्पित करेगी। एसपी ने बताया कि एसडीओ के नेतृत्व में विगत 11 मई, 14 जून और 17 जून को बाल संरक्षण गृह में छापामारी की गई थी। जिसमें 14 जून को तीन मोबाइल और 17 जून को दो मोबाइल जप्त किया गया था। पुलिस सभी मामलों में कार्रवाई कर रही है।

सिविल सोसाइटी ने किया नवजात बछड़े एवं गौ माता को श्री श्री गौशाला प्रबंधन समिति को सुपुर्द

संवाददाता

दुमका : जिला परिवहन कार्यालय के पीछे एक गौमाता ने बीते बुधवार से नवजात बछड़े के साथ इस बरसात के मौसम में लावारिश भूखे-प्यासे पड़ी थी। कुछ लोग गौमाता और उसके नवजात बछड़े को देख रहे थे जब आजतक किसी ने (या पशुपालक) इनकी खबर नही ली ये बेचारी गौमाता अपने बच्चे की सुरक्षा हेतु भूखे प्यासे इसी जगह पर पड़ी हुई थी तब लोगों ने सिविल सोसायटी दुमका के सचिव संदीप कुमार जय बमबम को दूरभाष पर इसकी जानकारी दी. जानकारी मिलने के बाद बमबम और सिविल सोसाइटी दुमका के उपाध्यक्ष प्रेम केशरी उक्त स्थल पर पहुंचे और नवजात बछड़े और गौ माता को श्री श्री गौशाला प्रबंधन समिति दुमका को सौंपा. मौके पर गौशाला समिति के सचिव प्रवीण मेहरिया ने श्री बम बम एवं श्री केशरी के प्रति आभार प्रकट किया. इस पुनीत कार्य में बबलू झा,जितेंद्र सिंह,मो० रफी, मंतोष मिश्रा, मो०हैदर हुसैन, मो०मुदस्सर अतुल्नीय योगदान रहा।

पश्चिमी प्राणपुर के सुभान टोला में फेरी घाट तक जाने वाली सड़क बदहाल

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड अंतर्गत पंचायत पश्चिमी प्राणपुर के सुभान टोला में गंगा नदी घाट तक जाने वाली सड़क की मरम्मती को लेकर मंगलवार को जिप सदस्यों ने उप विकास आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपकर डीएमएफटी मद से सड़क निर्माण कराने की मांग की। जानकारी के अनुसार फेरी घाट तक जाने वाली सड़क की स्थिति दयनीय बनी हुई है। यह सड़क इतनी जर्जर हो चुकी है कि लोगों को फेरी घाट तक आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर कीचड़ होने के कारण आवागमन बुरी तरह बाधित है, जिससे स्थानीय लोगों के साथ साथ यात्रियों को फेरी घाट तक जाने के लिए काफी परेशानी होती है।यह घाट सरकार को लाखों रुपये का राजस्व देता है, क्योंकि रोजाना सैकड़ों लोग इसी सड़क से होते हुए पश्चिम बंगाल जाने के लिए फेरी घाट तक पहुँचते हैं। घनी आबादी वाले इस गाँव में सड़क का निर्माण न होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।मौके पर जिला परिषद सदस्य शहनाज खातून, शाहनारा खातून, प्रतिनिधि अजहरुद्दीन शेख, अब्दुल बारीक शेख और बर्नवास सोरेन सहित अन्य लोग मौजूद थे। जनप्रतिनिधियों की समस्या सुनने के बाद उप विकास आयुक्त ने उन्हें आश्वासन दिया कि सड़क का निर्माण कार्य बहुत जल्द शुरू किया जाएगा।

हमारी सरकार किसानों को हर संभव मदद पहुंचने के लिए तत्पर है : विधायक

संवाददाता

ठेठईटांगर : प्रखंड मुख्यालय परिसर में झारखंड सरकार की तरफ से किसानों के बीच में निःशुल्क उरद मड़वा और मकई का बीज का वितरण विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन मिंज, एवं कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों के द्वारा किया गया। मौके पर मौजूद विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी ने कहा कि हमारी सरकार किसानों को लेकर विशेष योजना चला रही है। किसानों को खेती के प्रोत्साहन राशि दे रही है। इसका सदुपयोग कर खेती कर स्वावलंबी बनें। खेती से पलायन पर भी अंकुश लगेगा। खेती को लेकर किसी भी तरह की सहायता के लिए अपने कृषक मित्र से सलाह ले सकते हैं। विभाग किसानों के अनुरूप योजना को रूप देना चाहती है। किसान जागरूक बने

और गांव के एक एक लोगों तक विभाग की योजनाओं की जानकारी साझा करें ये जरूरी है। ऐसा करके झारखंड के किसान भी केरल और महाराष्ट्र की तरह खुद को कृषि के क्षेत्र में सफल साबित कर सकते है। किसानों को आधुनिकता के दौर में विज्ञान और ज्ञान को अपनाना होगा। कृषि के क्षेत्र में उन्नत तकनीक से फसल की पैदावार में बढ़ोत्तरी तय है आगे विधायक ने कहा कि हमारी सरकार किसानों को हर संभव मदद पहुंचने के लिए तत्पर है उन्होंने किसानों से अपील किया कि वह उन्नत तकनीक अपनाकर कम लगत में अधिक उपज प्राप्त करे। झारखंड सरकार की ओर से समय समय पर खाद बीज और कृषि यंत्रों की सुविधा दी जाती है उसका लाभ सभी योग्य किसान को लेना चाहिए ।

मौके पर मौजूद जिला सांसद प्रतिनिधि अमित डुंगडुंग,जिला विधायक प्रतिनिधि शमी आलम, जिला विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सह प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, प्रखंड अध्यक्ष अशफाक आलम, मंडल अध्यक्ष जॉनसन डांग जॉन लकड़ा,प्रखंड विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू,पंचायत अध्यक्ष अतुल बारला, सूकवन जोजो, सिप्रियां कांडुलना, अनिल सुरीन,अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद वाहिद, रजनी बागे, प्रदीप कांडुलना,कृषि पदाधिकारी संजय मुकुट बिलुंग आदि उपस्थित थे।